A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 15 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-166 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महाराष्ट्र : महायुति 2.0 सरकार में बढ़ती जा रही है दरार

पूर्वा चिटणीस

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के गठन के दो महीने बाद, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उसके गठबंधन सहयोगियों - बीजेपी और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी - के बीच मतभेद बढ़ते दिख रहे हैं। हाल के हफ्तों में मतभेद के साफ संकेत सामने भी आए हैं, जिसमें वित्त मंत्री अजित पवार द्वारा बुलाई गई जिला योजना और विकास समिति (डीपीडीसी) की बैठक से शिवसेना विधायकों को बाहर रखना, शिवसेना के उम्मीदवार के बजाय महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के प्रमुख के पद पर आईएएस अधिकारी की नियुक्ति और मुख्यमंत्री शिंदे के कार्यकाल में शुरू की गई योजनाओं की समीक्षा शामिल है।

बढ़ते तनाव के हालिया संकेत में शिंदे ने बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में दो बैठकों को छोड़ दिया, जबकि शहर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए तैयार है, जहां भाजपा और शिवसेना दोनों अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रायगढ़ जिले के लिए डीपीडीसी की बैठक बुलाई, लेकिन शिवसेना का कोई भी विधायक मौजूद नहीं था, यहां तक कि कैबिनेट मंत्री भरत गोगावले भी मौजूद नहीं थे, जो इस क्षेत्र से विधायक हैं। हालांकि, एनसीपी की अदिति तटकरे, जो राज्य मंत्री और रायगढ़ की संरक्षक मंत्री हैं, मौजूद थीं, लेकिन शिवसेना विधायकों ने शिकायत की कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था।

शिवसेना विधायक महेंद्र दलवी ने कहा, 'हमें जिला समिति की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया, जो रायगढ़ की योजना और विकास के लिए बुलाई गई थी। ऐसा लगता है कि हमें जानबूझकर दूर रखा गया।'

हालांकि, एकनाथ शिंदे ने इस मुद्दे को कमतर आंका। शिंदे ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, 'बैठक रायगढ़ के संबंध में आयोजित की गई थी और सभी विधायक जिनके पास अपने क्षेत्रों के बारे में कोई सुझाव है, वह हमें दे सकते हैं। मैं, मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार इसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिर भी, संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति का बड़ा मुद्दा अभी भी अनसुलझा है।'

अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से अदिति तटकरे को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री और भाजपा के गिरीश महाजन को नासिक का संरक्षक मंत्री नियुक्त किए जाने से शिंदे के नेतृत्व वाली सेना खास तौर पर नाराज़ है, जिसके मन में अपने उम्मीदवार थे। शिवसैनिक विरोध में सड़कों पर भी उतर आए हैं। सरकार ने नियुक्तियों को रोक दिया और वादा किया कि फडणवीस के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम से लौटने पर मामले को सुलझा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री को वापस आए दो हफ्ते से अधिक हो गए हैं, लेकिन मुद्दा अभी भी अनसुलझा है।

राजनीतिक विश्लेषक अभय देशपांडे ने कहा कि तनाव का सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि शिंदे को एक सख्त सौदेबाज माना जाता है। हालांकि, सीएम के पद पर उनका कार्यकाल एक माध्यमिक की भूमिका में खुद को समायोजित करना चुनौतीपूर्ण बना सकता है। उन्होंने कहा, 'वे मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसलिए अब एक मध्यस्थ की भूमिका निभाना उनके लिए थोड़ा मुश्किल है। उन्हें इसके लिए तैयार होने में थोड़ा वक्त लगेगा।'

राज्य कैबिनेट की बैठकें भी चर्चा का विषय बन गई हैं। मंगलवार को सरकार ने घोषणा की कि वह एकनाथ शिंदे को समायोजित करने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम में संशोधन करेगी। नए नियमों के अनुसार, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में दोनों उपमुख्यमंत्रियों सहित नौ सदस्य होंगे। हालांकि, सोमवार को शिंदे को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से बाहर कर दिया गया। वे शहरी विकास विभाग के प्रभारी हैं और मुंबई के संरक्षक मंत्री हैं। पिछली कुछ कैबिनेट बैठकों में शिंदे के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई है। इनमें 'आनंदा चा शिधा' यानी त्योहारों के दौरान गरीब लोगों को दी जाने वाली राशन किट, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए वित्तीय सहायता मिलती है और महामारी के दौरान एमवीए सरकार द्वारा शुरू की गई कम लागत वाली शिव भोजन योजना जो शिवसेना के 2019 के घोषणापत्र का हिस्सा थी शामिल है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इन योजनाओं को खत्म नहीं किया जाएगा, लेकिन महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति के कारण इन्हें संशोधित किया जा सकता है।'

परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी को एमएसआरटीसी का अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ एक और झटका लगा। पिछले अध्यक्ष, शिवसेना विधायक भरत गोगावले ने कैबिनेट में शामिल होने के बाद सीट खाली कर दी थी। शिवसेना चाहती थी कि उसका कोई विधायक इस पद पर रहे, जिसे कैबिनेट में शामिल नहीं किया जा सका। शिवसेना के एक नेता ने कहा, 'शिंदे साहब के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत के बाद, हम सभी ने सोचा था कि वे सरकार का नेतृत्व करेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। इसका मतलब यह नहीं है कि वे कैबिनेट की बैठकों या सार्वजनिक रूप से इसका गुस्सा निकाल रहे हैं. वे एक परिपक्व राजनेता हैं।'

प्रमुख बैठकों में शिंदे की अनुपस्थिति ने उनके असंतोष की अटकलों को हवा दी है। पिछले सोमवार को स्वास्थ्य, आवास (शिंदे के पास एक विभाग) और जलापूर्ति एवं स्वच्छता जैसे विभिन्न विभागों से संबंधित परियोजनाओं पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित वार रूम बैठक में उनकी अनुपस्थिति ने सभी को चौंका दिया। ये विभाग शिवसेना के मंत्रियों के पास थे। दो हफ्ते पहले भी वे कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। जनवरी की शुरुआत में संरक्षक मंत्री पद पर असहमति के बाद, शिंदे सतारा जिले में अपने गांव, दारे में चले गए थे।

देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने पूर्ण मंत्रिमंडल को शामिल करने के एक महीने से अधिक समय बाद महाराष्ट्र के 36 जिलों के लिए संरक्षक मंत्रियों के नाम घोषित किए। रायगढ़ में शिवसेना के भरत गोगावले इस पद पर नज़र गड़ाए हुए थे, जबकि नागपुर में पार्टी के दादा भुसे आकांक्षी थे।

शिंदे ने बार-बार दावा किया है कि वे परेशान नहीं हैं और आराम करने या किसी काम के लिए अपने गांव जाते हैं। हालांकि, पिछले दो महीनों में उपमुख्यमंत्री ने जितनी भी जनसभाओं को संबोधित किया है, उनमें उन्होंने लोगों को बतौर मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल की याद दिलाई है। वे बताते हैं कि कैसे पहले वे मुख्यमंत्री (आम आदमी) थे, लेकिन अब एक डीसीएम (आम आदमी को समर्पित) के रूप में वे एक सामान्य 'कार्यकर्ता' की तरह अपना काम करते रहेंगे। शिंदे ने हाल ही में नांदेड़ में अपनी यात्रा निकाली और बड़ी संख्या में शिवसेना को वोट देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

अब भारत में ताबड़तोड़ रिएक्टर लगाएगा यूएस

हो गई 21वीं सदी की सबसे बड़ी न्यूक्लियर डील

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 साल पहले दोनों देशों के बीच हुए ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के तहत भारत में अमेरिकी डिजाइन वाले परमाणु रिएक्टरों के निर्माण को सुविधाजनक बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। 2008 में ऐतिहासिक डील होने के बाद पहली बार है जब दोनों देशों ने इस दिशा में तेजी से आगे काम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है और पूरे संकेत भी दिए हैं। भारत और अमेरिका के बीच यह 21वीं सदी की सबसे बड़ी डील कही जा सकती है। इस डील को फाइनल यूपीए सरकार में ही किया गया था। हालांकि अब तक इसे जमीन पर उतारने का काम नहीं हो सका अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में गुरुवार को ट्रंप और मोदी ने अपनी बातचीत में ऊर्जा सहयोग को मजबूती से आगे बढ़ाने का फैसला किया। असैन्य परमाणु समझौते ने अमेरिका के साथ भारत के संबंधों को बदल दिया और इसने विशेष रूप से और इससे रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करने के रास्ते खुल गए हैं। दोनों नेताओं के संयुक्त बयान के अनुसार, 'ट्रंप और मोदी ने बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण और संभावित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से भारत में अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए परमाणु रिएक्टरों के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की योजनाओं के साथ आगे बढ़ते हुए अमेरिका-भारत 123 असैन्य परमाणु समझौते को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की।

● भारत और अमेरिका दोनों देशों को होगा बड़ा फायदा

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी म.प्र.सरकार

सीएम बोले- हम इसके पक्ष में, एससी-एसटी वर्ग को भी मिलना चाहिए निर्धारित कोटा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार अब सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह को जल्द से जल्द सुनवाई के लिए आवेदन लगाने को कहा है, ताकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सरकार उसे लागू कर सके।

विधि, सामान्य प्रशासन और वित्त विभाग समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में गुरुवार को हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार बनने से पहले से ही ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर अलग-अलग याचिकाओं के जरिए कोर्ट में केस चल रहा है। इसी को लेकर आज प्रदेश के सभी संबंधित विभागों के अफसरों के साथ बैठक की गई।

हमने एडवोकेट जनरल से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई के लिए आवेदन लगाएं। हमारी सरकार का मंतव्य स्पष्ट है कि 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करना है। हमने तय किया है कि सुप्रीम कोर्ट को सरकार का मंतव्य जल्द से जल्द बताया जाए। इसके बाद न्यायालय जो भी फैसला करेगा, उसे लागू किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि एससी और एसटी वर्ग को जो आरक्षण कोटा निर्धारित है, वह मिलना चाहिए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति बन रही है। सरकार ने इस मामले में स्पष्ट राय तय करने का फैसला किया है।

आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

इससे पहले 28 जनवरी को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के राज्य शासन के निर्णय को चुनौती दी गई थी। यह भी बता दें कि 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश के तहत राज्य सरकार को 87:13 का फॉर्मूला लागू करने का निर्देश दिया था। इस आदेश के बाद प्रदेश की सभी भर्तियां ठप हो गई थीं।

कृषकों को सोलर पम्प और गौपालन के लिए प्रोत्साहित करें परिषद : मुख्यमंत्री

कैंसर से बचाव के लिए प्राकृतिक और अक्षय कृषि अपनाना जरूरी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन-अभियान परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संगठन, प्रस्फुटन समितियां और नवांकुर संस्थाएं कृषकों को ऊर्जा में आत्म-निर्भर बनाने के लिए सोलर पंप लगवाने के लिए प्रेरित करें। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गौपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र कैंसर जैसे घातक रोगों से निरंतर प्रभावित हो रहे हैं। अतः रासायनिक खाद और कीटनाशकों के बल पर ली जा रही उपज के खतरों से किसानों को अवगत करवाना आवश्यक है। परिषद, किसानों को प्राकृतिक और अक्षय कृषि के लिए प्रोत्साहित करें। जन अभियान परिषद इन क्षेत्रों में कार्य कर ऊर्जा, जल और पर्यावरण संरक्षण, बेहतर स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में योगदान दे सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में म.प्र. जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की 15वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री मोहम्मद सुलेमान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाना जरूरी है। इसमें जन अभियान परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर परिषद ग्राम स्तर तक वातावरण निर्माण में सक्रियता से योगदान दें। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप श्रीअन्न की उपज लेने और तिलहन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। बैठक में नवांकुर संस्थाओं के प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम तथा विकास गतिविधियों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए संचालित गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही परिषद के अन्य प्रशासनिक और प्रबंधकीय विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जन अभियान परिषद द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन किया।

झीलों की नगरी में होने वाली जीआईएस में शहरी विकास पर भी होगा विशेष फोकस

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि झीलों की नगरी भोपाल में निवेश के महाकुंभ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास के क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी, मजबूत बुनियादी ढांचा, निर्बाध विकास के चलते मध्यप्रदेश भारत के शहरी परिवर्तन में अग्रणी राज्य है, जो रणनीतिक निवेश, सतत विकास और अत्याधुनिक डिजिटल गवर्नेंस का संयोजन कर रहा है। प्रदेश में 72 हजार करोड़ रुपए की चल रही शहरी परियोजनाओं और 88 हजार करोड़ रुपए की आगे आने वाली परियोजनाओं के साथ राज्य तेजी से अपने बुनियादी ढांचे, आवास और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स का विस्तार कर रहा है। सात स्मार्ट सिटी, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी और प्रगतिशील शहरी नीतियों के साथ मध्यप्रदेश निवेशकों और डेवलपर्स के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने की स्थिति में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं में अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं के जरिये रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन- स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी रैंकिंग में अग्रणी राज्य के रूप में मध्यप्रदेश भविष्य के लिए तैयार निवेश-अनुकूल शहर बन रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और डिजिटल रूप से उन्नत प्रदेश के शहरों को अपनी अलग पहचान मिलेगी। प्रदेश में चाहे किफायती आवास हो, ग्रीनफील्ड शहर का विस्तार हो या मल्टीमॉडल परिवहन समाधान, मध्यप्रदेश दूरदर्शी शहरी विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने को तैयार है।

आकर्षक एमपी री-डेंसिफिकेशन पॉलिसी- प्रदेश में एमपी री-डेंसिफिकेशन पॉलिसी 2022 और एमपी पुनर्विकास नीति 2022 आधुनिक बुनियादी ढांचे और पुनर्विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गयी है।

एमपी टीडीआर नियम, 2018 भूमि उपयोग को अनुकूलित करता है और टिकाऊ शहरी विकास का समर्थन करता है। ईवी पॉलिसी 2025 बुनियादी ढांचा प्रोत्साहन के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहित करता है।

प्रदेश में 7 स्मार्ट सिटी

शहरी विकास में मध्यप्रदेश निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, इसकी बड़ी वजह है 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहर, 7 स्मार्ट सिटी और 72 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं, साथ ही पाइपलाइन में 88 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं। प्रदेश में 8.32 लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ है, वहीं 50 हजार करोड़ रुपए से 10 लाख नए आवासों की योजना प्रस्तावित है। शहरी विकास के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत पाइप जलापूर्ति का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है, जिसे वर्ष 2027 तक 100 प्रतिशत पूरा किया जाएगा। प्रदेश में 6000 किलोमीटर शहरी सड़कें गतिशीलता और बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ाती हैं। प्रदेश में वर्ष 2030 तक 100 प्रतिशत सीवर कवरेज कर लिया जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला मध्यप्रदेश स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2023 में शीर्ष 2 राज्यों में रहा है।

आरएसएस की रैली को मिली 'हाई' परमीशन

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने 16 फरवरी को पूर्व बर्धमान जिले में होनी वाली रैली के लिए अनुमति दे दी है। इसी के साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की आपत्ति को खारिज कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कलकत्ता हाई कोर्ट की जज अमृता सिन्हा ने आरएसएस रैली के आयोजकों को सशर्त अनुमति दी। आरएसएस की बंगाल इकाई ने गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ का दरवाजा खटखटाया और 16 फरवरी को पूर्व बर्धमान जिले में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सभा के लिए पुलिस द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने को चुनौती दी थी। वहीं,जिला पुलिस ने इसी आधार पर अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

सुप्रभात

हमारा दिल सवेरे का सुनहरा
जाम हो जाए
चराग़ों की तरह आँखें जलें
जब शाम हो जाए
कभी तो आसमाँ से चाँद
उतरे जाम हो जाए
तुम्हारे नाम की इक
खूब-सूरत शाम हो जाए
अजब हालात थे यूँ दिल का
सौदा हो गया आख़िर
मोहब्बत की हवेली जिस
तरह नीलाम हो जाए
समुंदर के सफ़र में इस
तरह आवाज़ दे हम को
हवाएँ तेज़ हों और
कश्तियों में शाम हो जाए
मुझे मालूम है उस का
ठिकाना फिर कहाँ होगा
परिंदा आसमाँ छूने में
जब नाकाम हो जाए
उजाले अपनी यादों के
हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में
ज़िंदगी की शाम हो जाए
मैं यूँ भी एहतियातन उस
गली से कम गुज़रता हूँ
कोई मासूम क्यूँ मेरे लिए
बदनाम हो जाए....।

– बशीर बद्र

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार,15 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब होली से पहले मिल जाएगा भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष !

● जल्द मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बढ़ेगा नड्डा का कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मार्च के पहले हफ्ते तक शुरू हो जाएगी। होली (14 मार्च) से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बन सकती है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है। फरवरी के आखिरी तक 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा। भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी कराया जा सकता है जब देश के कम से कम आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हो जाएं। पार्टी के एक नेता के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक और कार्यकाल देने की जगह पार्टी नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेगी। हालांकि, भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कोई व्यक्ति लगातार दो टर्म के लिए चुना जा सकता है। इस लिहाज से नड्डा तकनीकी रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की योग्यता रखते हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उन्होंने दोबारा अध्यक्ष बनने की जगह किसी नए व्यक्ति को यह जिम्मेदारी देने की बात कही है। दक्षिण भारत से किसी को मौका संभव, 20 साल से नहीं बना इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बनाने का विचार है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है।

सुप्रीम कोर्ट ने खेडकर की गिरफ्तारी पर बढ़ाई रोक

● पूर्व ट्रेनी आईएएस पर यूपीएससी परीक्षा में धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर लगी रोक 17 मार्च तक बढ़ा दी। कोर्ट ने 15 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई में गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। खेडकर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट में बताया कि खेडकर जांच में सहयोग कर रही हैं लेकिन पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए नहीं बुलाया है। वहीं, कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस को जवाब दाखिल करने के लिए दिया गया समय भी बढ़ाया है। पूजा पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगता कोटे से आरक्षण लेने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश पलटा पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2024 का आदेश पलट दिया था।

सिंगरौली में भीड़ का बवाल, कई वाहनों को फूंका, सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के बाद भड़के ग्रामीण

सिंगरौली। सिंगरौली जिले में शुक्रवार को एक ट्रक से टक्कर लगने पर दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से गुस्साए ग्रामीणों ने बड़ा कदम उठाते हुए कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। हालात को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एसपी और कलेक्टर मौके पर पहुंचे थे। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इसमें 6 ट्रक और 3 बसें शामिल है।

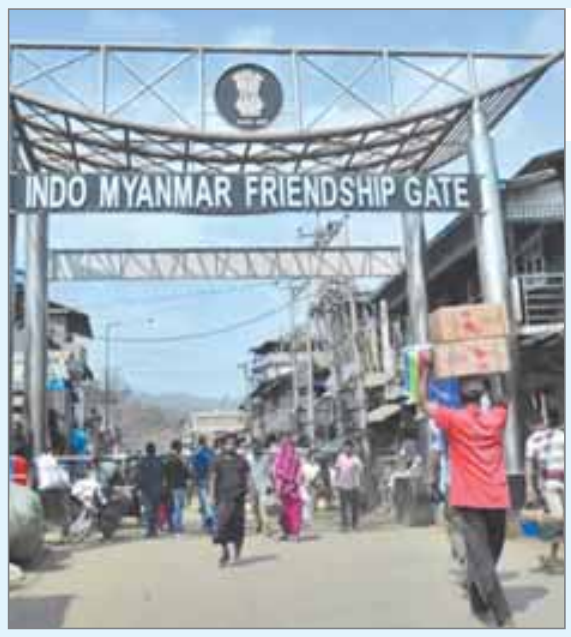

भारत-म्यांमार सीमा पर बायोमेट्रिक डिटेल्स से नजर

45 दिनों में 7000 लोग भारत आए, पर्सनल डेटा भी दे रहे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम राइफल्स के साथ बायोमेट्रिक विवरण और पहचान पत्र साझा करने के बाद दिसंबर से अब तक 7,000 लोग म्यांमार से भारत में प्रवेश कर चुके हैं। भारत-म्यांमार सीमा पिछले साल संशोधित फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) के तहत कड़े नियम लागू किए गए थे। इसके लिए उनका बायोमेट्रिक डेटा को जमा किया जाएगा, जो नेशनल डेटा सेंटर से जुड़ा होगा।

केंद्र सरकार ने पिछले साल फ्री मूवमेंट रिजीम को खत्म करने का निर्णय लिया था लेकिन बाद में एक और स्ट्रीक्ट नियम बनाया गया, जिसे दिसंबर 2024 में मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड सरकार को संशोधित लागू करने को कहा गया। असम राइफल्स के एक वरिष्ठ

● एंट्री प्वाइंट 22 से बढ़कर 43 होंगे, असम राइफल्स है तैनात

अधिकारी के मुताबिक- अब सीमा पर करने के लिए 43 निर्धारित एंट्री प्वाइंट होंगे। हालांकि अभी 22 एंट्री प्वाइंट ही चालू है। इन एंट्री प्वाइंट पर लोगों से बायोमेट्रिक डेटा, एड्रेस सहित अन्य जानकारियां लेकर पास जारी किए जाते हैं। उन्होंने आगे बताया- दिसंबर से लोगों को अपने गांव के ऑथोरटी के सामने डाक्यूमेंट चेक करवाना जरूरी है। इसकी जांच के बाद असम राइफल्स के लोग उनकी फोटो और बायोमेट्रिक जानकारियां रिकॉर्ड करके पास जारी करते हैं। इस डेका को इकट्ठा किया जा रहा है ताकि हमें मालूम हो कि हमारे क्षेत्रों में कौन इकट्ठा हो रहा है। अगर कोई गलत करता है तो हमारे पास उनकी मूवमेंट का रिकार्ड होगा। नए एफएमआर के अनुसार बॉर्डर के 10 किलोमीटर के अंदर रहने वाले लोग एक बॉर्डक पास से दोनों देशों में 7 दिनों तक यात्रा कर सकते हैं।

राहुल-प्रियंका महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी

भारी भीड़ से फिर जाम हुआ प्रयागराज शहर, जगह-जगह बैरिकेडिंग

अब तक रिकॉर्ड 50 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे, राहुल व प्रियंका भी आएंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में 33 दिनों में 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इतिहास में ये सबसे बड़ा आयोजन रिकॉर्ड किया गया। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ के अभी 12 दिन और बचे हैं। अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग प्रयागराज पहुंचे हैं। ब्राजील के रियो फेस्टीवल या जर्मनी के अक्टूबर फेस्ट में आने वाली भीड़ इसके मुकाबले कुछ नहीं है। महाकुंभ में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 16 फरवरी को डुबकी लगाएंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, उनके आने का प्रोग्राम लगभग फाइनल हो चुका है। तैयारियां की जा रही हैं। महाकुंभ में शुक्रवार को फिर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। 13 जनवरी से अब तक 50 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। 3 दिन बाद फिर प्रयागराज की सड़कों पर फिर जाम लगा है। सुलेमसराय इलाके में 1 किमी तक वाहनों की लाइन लगी है। नैनी ब्रिज पर भी जाम लगा है।

सुरक्षा को लेकर सीएम योगी ने की मीटिंग

सुलेमसराय इलाके में 1 किमी तक वाहनों की लाइन लगी है। नैनी ब्रिज पर भी सुबह 1.5 किमी लंबा जाम लगा है। संगम क्षेत्र में भीड़ बढ़ने से कई बैरियर पर लोगों को रोक दिया गया है। पुलिस लगातार अनाउंस कर रही है कि श्रद्धालु संगम क्षेत्र खाली होने का इंतजार करें। कल शनिवार और फिर रविवार है। ऐसे में प्रशासन का अनुमान है कि वीकेंड पर भीड़ उमड़ सकती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लखनऊ में मीटिंग की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीनियर अफसर खुद सड़क पर उतरें और हर स्तर पर जवाबदेही तय करें। योगी ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले रास्तों में कहीं पर भी जाम न लगे। श्रद्धालुओं को दिक्कत नहीं आए।

हो जाइए तैयार, अबकी और ज्यादा तपाएगी गर्मी

5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने जा रहा उत्तर भारत का तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत समेत देशभर में ठंड वापस जा चुकी है और दिन के समय तेज धूप निकल रही है। अब उत्तर भारत और मध्य भारत का मौसम बदलने जा रहा है। गर्मी बढ़ने जा रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया है कि उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने जा रही है। यह अगले चार दिनों में होगी। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो हिमाचल प्रदेश में शीतलहर रिकॉर्ड की गई। वहीं, साउथईस्ट यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान दो से पांच डिग्री तक गिर गया। वहीं, महाराष्ट्र, बिहार, विदर्भ, तेलंगाना, दिल्ली में एक से दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा, पूर्वी भारत में रात के समय

तापमान तीन से छह डिग्री तक गिर गया। वहीं, उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत में तापमान एक से तीन डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं, असम में ओले गिरे।

कश्मीर में सब कुछ ठीक तो पाकिस्तान का रास्ता खोलो

● महबूबा बोलीं-यहां पत्ता भी हिलता है तो शाह दिल्ली में मीटिंग बुलाते हैं

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है। अगर सब ठीक हो गया है तो पाकिस्तान के साथ रास्ते खोलो। ताकि वे यहां आकर देख सकें कि हम कैसे रहते हैं और हमारे पास यहां क्या है। उन्होंने कहा कि इनको पता है कि 370 हटाकर कोई मसला हल नहीं किया है। क्योंकि आज भी कश्मीर में अगर पत्ता हिलता है तो अमित शाह दिल्ली में मीटिंग बुलाते हैं। उनके मन में डर है कि जो जम्मू कश्मीर में जो किया वह एक लावा बना है जो कभी भी फट सकता है। उन्होंने कहा- भाजपा जम्मू कश्मीर की समस्या को जिंदा रखकर पूरे मुल्क में वोट लेना चाहती है। पाकिस्तान में सेना कश्मीर की समस्या को जिंदा रखना चाहती है।

चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट पर रूस का हमला

● यूक्रेन के रेडिएशन शेल्टर को नुकसान

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के चेर्नोबिन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया है, जिसमें न्यूक्लियर पावर प्लांट के संवेदनशील हिस्से को बड़ा नुकसान हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने ये जानकारी दी है। चेर्नोबिल को दुनिया की सबसे बड़ी नागरिक परमाणु आपदा के लिए जाना जाता है। 1986 में

इसके चार रिएक्टरों में से एक में विस्फोट हुआ था। उस रिएक्टर को अब तक प्रोटेक्टिव शेल्टर से घेर दिया गया है, ताकि विकिरण को रोका जा सके। जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी ड्रोन हमले में रिएक्टर के रेडिएशन शेल्टर को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा है। जेलेस्की ने कहा कि रूसी ड्रोन ने न्यूक्लियर पावर प्लांट में नष्ट हो चुकी बिजली यूनिट के शेल्डर पर हमला, जिससे आग लग गई।

दिल्ली में यमुना और कूड़ा बढ़ाएगा बीजेपी की टेंशन

प्रचंड जीत के बाद भी पार्टी की कम नहीं होंगी चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी के सामने कई बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी चुनौती है कि राज्य की वित्तीय हालत सही बनाए रखते हुए अपनी महत्वाकांक्षी चुनावी वादों को पूरा करना। ऐसे में पार्टी ने यमुना की सफाई, कूड़े के ढेर से निपटने, सड़कों, जल आपूर्ति और स्वच्छता में सुधार जैसे मुद्दों पर प्रचार किया, साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) के अधूरे वादों को भी उजागर किया। अपने घोषणापत्र में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के अधूरे वादों को पूरा करने का वादा किया और कई मुफ्त उपहारों की पेशकश की। अब जब दिल्ली के मतदाताओं ने भाजपा के 27 साल लंबे इंतजार को खत्म कर

दिया है, तो पार्टी के सामने इन वादों को पूरा करने का चुनौतीपूर्ण काम है। भाजपा के प्रमुख वादों में गरीब महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह, गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये की एकमुश्त सहायता, गरीबों को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, वरिष्ठ नागरिकों को 2,500 रुपये पेंशन (70 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए 3,000 रुपये) और गरीब परिवारों के बच्चों के लिए किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक मुफ्त शिक्षा शामिल है। हालांकि, सीमित बजट और दिल्ली की वित्तीय स्थिति को देखते हुए इन वादों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण होगा, हालांकि केंद्र में भाजपा की सत्ता होने से दिल्ली की भाजपा सरकार का बोझ कम हो सकता है। हाल के वर्षों में अकेले यमुना की सफाई की लागत 8,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, लेकिन दिल्ली में नदी की स्थिति अभी भी दयनीय है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों को बेहतर बनाने के लिए अनुमानित 10,200 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, दिल्ली मेट्रो विस्तार के तीसरे चरण को पूरा करने और चौथे चरण को विकसित करने में 2,700 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वित्तीय बाधाओं को देखते हुए, इन कार्यों को पूरा करने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी।

वक्फ बिल विवाद

कुतुब मीनार और हुमायूं के मकबरे को भी बताया अपनी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद को सौंपी गई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि देश में राष्ट्रीय महत्व के करीब 280 स्मारकों को वक्फ बोर्ड ने अपनी जायदाद घोषित किया हुआ था। इन स्मारकों में ज्यादातर राजधानी दिल्ली में हैं। इनमें कुतुब मीनार, फिरोजशाह कोटला, पुराना किला, हुमायूं का मकबरा, जहांआरा बेगम की कब्र, कुतुब मीनार क्षेत्र में स्थित आयरन पिलर (लौह स्तंभ), इल्तुतमिश का मकबरा जैसे स्मारकों पर भी वक्फ का दावा है। समिति की सुनवाई के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इन स्मारकों की फेहरिस्त सौंपी थी। इसके अलावा शहरी विकास मंत्रालय ने कमेटी को बताया कि भूमि एवं विकास विभाग की 108 और एएसआई की 130 संपत्तियां वक्फ के कब्जे में दी गईं। वक्फ ने बाद में इन स्मारकों पर अपना दावा बताया। एक समय देश में वक्फ बोर्ड की 52 हजार रजिस्टर्ड संपत्तियां थीं। आज 9.4 लाख एकड़ जमीन पर 8.72 लाख अचल संपत्तियां हैं। वक्फ संपत्ति उसे कहते हैं, जिसे मुस्लिमों ने धार्मिक या धर्मार्थ के लिए दान दी हो। इसमें रजिस्टर्ड संपत्ति को न बेच सकते हैं न ही उनका स्वामित्व बदल सकते हैं, लेकिन नए कानून से कई चीजें बदलेंगी, जैसे... पहले वक्फ अधिनियम, 1995 कहते थे। आगे यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एंपावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट कहेंगे। पहले वक्फ की जमीन पर दावा करने वाला वक्फ ट्रिब्यूनल में अपील कर सकता था, लेकिन अब वो कोर्ट में भी कर सकेगा। पहले ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती नहीं दे सकते थे, लेकिन अब हाईकोर्ट में चुनौती दे सकेंगे। पहले जिस जमीन पर मस्जिद या इस्लामिक उद्देश्यों के लिए उपयोग होता हो, वो वक्फ की होती थी। अब दान की ही जमीन वक्फ की होगी, भले ही उस पर मस्जिद हो। पहले वक्फ बोर्ड में महिला और गैर धर्म के लोग सदस्य नहीं हो सकते थे। अब दो महिलाओं और 2 गैर मुस्लिम सदस्य रखने होंगे। कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं, इसका फैसला राज्य सरकार की ओर से नामित अधिकारी करेगा।

● ऐसे 280 स्मारकों के नाम शामिल, संसद को सौंपी जेपीसी की रिपोर्ट में खुलासा

खजुराहो और राजनगर में हर घर पहुंचा नल से जल

भोपाल (नप्र)। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा छतरपुर जिले में पर्यटन नगरी खजुराहो और राजनगर में जलप्रदाय परियोजना का कार्य किया गया है। एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से क्रियान्वित खजुराहो जलप्रदाय योजना की लागत 69 करोड़ 86 लाख रूपये है। परियोजना लागत में 10 वर्षों का संचालन और संधारण भी शामिल है।

परियोजना से 6300 घरों में नल कनेक्शन- खजुराहो जलप्रदाय योजना में खजुराहो के लगभग 4200 एवं राजनगर के 2100 घरों के नल कनेक्शन से जोड़ा गया है। इस परियोजना से 30 हजार से अधिक आबादी को साफ पानी मिल रहा है। परियोजना के लिये कुटनी डेम पर इंटैक वैल स्थापित किया गया है। पानी को शुद्ध करने केलिये 10 एमएलडी क्षमता का वॉटर ट्रीटमेंट लगाया गया है।

परियोजना में जल संग्रहण के लिये खजुराहो में 5 ओवरहेड टेंक और राजगर में 2 ओवरहेड टेंक बनाये गये हैं। राजनगर में एक ग्राउंड लेवल स्टोरेज रिजर्वायर भी बनाया गया है। परियोजना के पूरा होने से इन दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को नल से साफ पानी मिल रहा है। परियोजना से पहले नागरिकों को पानी प्राप्त करने में जो परेशानियां हुआ करती थीं, उनसे अब छुटकारा मिल गया है।

दिव्यांगजन की सलाह से बनाया जाएगा 'सुगम वातावरण'

भोपाल (नप्र)। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनोमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। इस निर्णय में उनकी सलाह महत्वपूर्ण होगी। इसके लिये प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की 'सुगम्य यात्रा' का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले मे'सुगम्य यात्रा' निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमा घरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे। इन स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो 'यस टू एक्सेस' एप पर अपलोड कर सकेंगे। प्रमुख सचिव ने बताया कि यह सुगम्य यात्राएं प्रत्येक जिले में 2-4 दिन तक आयोजित की जायेगी। यात्राओं पर होने वाले व्यय सीआरएस फंड या एजीपी सब स्कीम से करने के अधिकार कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

सीएम ने राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश की उपलब्धियों को सराहा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खेल क्षेत्र में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों को मिली उपलब्धियों की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने उत्तराखंड में संपन्न हुए राष्ट्रीय खेलों में कुल 82 पदक जीतकर देश में चौथा स्थान हासिल किया है। यह सरकार के योजनाबद्ध प्रयासों का ही परिणाम हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में खेलों को प्रोत्साहन देते हुए मध्यप्रदेश खेलों में सिरमौर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए अधोसंरचना, प्रशिक्षण और अभ्यास के क्षेत्र में कई नवाचार किए गए हैं। राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश को मिली उपलब्धि खिलाड़ियों, कोच और अन्य स्टाफ की प्रतिबद्धता का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी खिलाड़ियों और टीम स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई

ढाबे से खाना खाकर लौटते समय हुआ था हादसा, 5 दिन बाद युवक की मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एयरपोर्ट रोड से लाल घाटी जाने वाले ब्रिज पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पांच दिन तक चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। हादसा रविवार देर रात का बताया जा रहा है।

ढाबे से लौटते समय हुआ हादसा- गांधी नगर पुलिस के अनुसार, फरमान खान (16) पिता इस्माइल खान, न्यू कबाड़ खाने, एहले हदीस मस्जिद के पास का रहने वाला था। वह अपने दोस्तों के साथ परवलिया स्थित रंगला पंजाब ढाबा से खाना खाकर लौट रहा था। फरमान यामाहा आर-1 बाइक पर सवार था, जबकि उसके दो दोस्त दूसरी बाइक से साथ चल रहे थे।

ब्रिज पर तेज रफ्तार के कारण उसकी बाइक डिस बैलेंस हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में जबड़ा टूट गया और सिर में गंभीर चोटें आईं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सांसद गणेश सिंह ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

ऊर्जा के सही संरक्षण पर ही दुनिया का विकास निर्भर : राज्यमंत्री गौर

एन. आई. टी.टी.टी. आर. में ऊर्जा संरक्षण क्षमता महोत्सव कार्यक्रम का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऊर्जा के सही इस्तेमाल और संरक्षण पर ही दुनिया का विकास टिका हुआ है। इसलिए हम सब का परम कर्तव्य है कि ऊर्जा के विभिन्न विकल्पों का सही प्रयोग करें और इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शुक्रवार को एन. आई. टी.टी.टी.आर. के सभागार में आयोजित ऊर्जा संरक्षण क्षमता महोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहीं थीं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि ऊर्जा पर्यावरण जागरूकता अभियान अच्छी पहल है। ऊर्जा पर्यावरण जागरूकता अभियान स्कूल एवं कॉलेज में भी आयोजित किए जाए। हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा की सहायता से पर्यावरण को स्थाई बनाया जा सकता है। इंडियन ऑयल और अन्य तेल कंपिनयों ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में काफी पहल की है। इनमें बीएस IV से बीएस VI ईधन में स्थानांतरण पेट्रोल पम्पो में ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, एक्स्ट्रा ग्रीन डीजल, ग्रीन कॉम्बो लुविकेंटस, कंप्रेस बायोगैस, नूतन सोलर स्टोव आदि शामिल हैं। यहां तक वक भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए, कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड श्री टी एन सुंदर राजन श्री बीपी मोहंती, श्री ए. एस. रेड्डी श्री चिनमय मंडल, श्री दीपक त्रिवेदी और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

सीएम ने स्पोर्ट स्टार एसेस अवॉर्ड के लिए दी बधाई

खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश को मिला सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खेलों के लिए अधोसंरचना विकास और खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन प्रदान करने की दिशा में निरंतर नवाचार कर रहा है। इसके सुखद परिणाम भी प्राप्त हो रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रीय खेलों में प्रदेश को मिले 82 पदक राज्य की उपलब्धि का प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में मिले 'स्पोर्ट स्टार एसेस अवॉर्ड-2025' के लिए प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि खेल क्षेत्र के अग्रणी प्रकाशन स्पोर्ट स्टार द्वारा मध्यप्रदेश को खेलों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार के चरणबद्ध प्रयासों का परिणाम है। राज्य सरकार द्वारा खेलों के अधोसंरचना विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए भोपाल में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय केंद्र के लिए 10 करोड़ रूपए और जबलपुर में बहुउद्देशीय हॉल के लिए 7 करोड़ 50 लाख रूपए का अनुदान उपलब्ध कराया गया। खेलो एमपी, खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022, समर स्पोर्ट्स कैम्प और पे एंड प्ले जैसे नवाचारों से प्रदेश में खेल की उच्चतम सुविधाएं हुई हैं और खिलाड़ियों को अभ्यास एवं खेल में निरंतर सुधार के अवसर मिले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2024 में राज्य ने तीन पेरिस ओलंपिक पदक विजेताओं और चार राष्ट्रीय चैंपियनों का जश्न मनाया। पैरालंपिक्स 2024 में रूबीना फ्रांसिस द्वारा कांस्य पदक प्राप्त करना, जूडो में कपिल परमार की उपलब्धि और 2024 में ओलंपिक हॉकी में विवेक सागर प्रसाद द्वारा कांस्य पदक लेना राज्य की खेलों में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्य सरकार खेलों को प्रोत्साहन के लिए शहरों और ग्राम स्तर तक विस्तारित योजनाओं के माध्यम से युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां अर्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एमपी में फिर ठंड का असर, लुढ़का पारा

रात में 7 तो दिन में 23 डिग्री पहुंचा, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी गिरावट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में ठंड का असर फिर बढ़ा है। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी होने से प्रदेश में हवा की रफ्तार 12 से 15 किमी प्रतिघंटा पहुंच गई, जबकि रात में 7 डिग्री और दिन में पारा 23 डिग्री तक आ गया। वहीं, दिन में तापमान 6.2 डिग्री तक लुढ़क गया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी गिरावट हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से पारे में फिर से गिरावट हुई। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया, पूरे फरवरी महीने में तापमान में ऐसी ही उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इस वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार से पारे में फिर से बढ़ोतरी होगी।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होंगे

मौसम वैज्ञानिक रैकवार ने बताया, फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होते हैं। अबकी बार भी ऐसा ही है। इस वजह से पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है।

पचमढ़ी में पारा 23.4 डिग्री पहुंचा

गुरुवार को दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई। मौसम विभाग के अनुसार, पचमढ़ी में पारा 23.4 डिग्री रहा। भोपाल में 26.6 डिग्री, इंदौर में 27.3 डिग्री, ग्वालियर में 27.1 डिग्री, उज्जैन में 28.5 डिग्री और जबलपुर में 26.2 डिग्री रहा। इसी तरह रायसेन में 25 डिग्री, दमोह में 28 डिग्री, खजुराहो में 27.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 28.2 डिग्री, नौगांव में 25.8 डिग्री, रीवा में 27 डिग्री, सागर में 28.2 डिग्री, सतना में 27.2 डिग्री, सिवनी में 26.4 डिग्री, सीधी में 26.6 डिग्री, उमरिया में 27.4 डिग्री और मलाजखंड में पारा 26.9 डिग्री दर्ज किया गया। बुधवार-गुरुवार की रात में भी पारे में गिरावट देखने को मिली है।

भोपाल प्रेस क्लब के कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को क्लब के कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटेल, अजय बोकिल, सतीश सक्सेना, नासिर हुसैन, संजय सक्सेना प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। भोपाल प्रेस क्लब प्रतिवर्ष कैलेंडर एवं प्रेस डायरेक्टरी का प्रकाशन करता है। इसी तारतम्य में इस बार भी कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।

सातवीं की छात्रा से बैड टच, एफआईआर दर्ज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में सातवीं कक्षा की छात्रा के साथ बैड टच का मामला सामने आया है। आरोप पीड़िता के घर के पड़ोस में रहने वाले युवक पर लगे हैं। युवक मौका मिलते ही किशोरी के साथ अश्लील हरकत करता था।

आए दिन की हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने गुरुवार की रात मां को पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद मां उसे थाने लेकर पहुंची और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक 13 वर्षीय किशोरी कक्षा सातवीं की छात्रा है। उसके घर के सामने पुताई का काम करने वाला 25 वर्षीय इरशाद मंसूरी रहता है। वह छात्रा को लंबे समय से परेशान कर उसका स्कूल तक पीछा कर रहा था। आरोपी ने एक बार स्कूल से लौटते समय पीड़िता को बैड टच भी किया था।

स्कूल से लौटते समय उसे अश्लील इशारे करता था। गुरुवार छात्रा स्कूल से अपने घर पहुंची और पूरी कहानी मां को बताई। जिसके बाद केस दर्ज कराया गया। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

शिव नवरात्रि पर 30 साल बाद विशेष योग

महाकाल देंगे अलग-अलग रूप में दर्शन, दूल्हा बनेंगे बाबा, महाशिवरात्रि पर सजेगा सेहरा

उज्जैन (नप्र)। देशभर में जहां एक ओर महाशिवरात्रि मनाई जाती है, वहीं सिर्फ उज्जैन के महाकाल मंदिर में नवरात्रि की तरह महाशिवरात्रि पर्व के पहले 9 दिनों तक शिव नवरात्रि मनाने की परम्परा है। खास बात ये कि इस बार शिव नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिन तक मनाई जाएगी।

इस बार महाकालेश्वर मंदिर में शिव नवरात्रि की शुरुआत 17 फरवरी सोमवार को पंचमी तिथि से होगी, जो 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक रहेगी। शिव नवरात्रि में 10 दिन का विशेष संयोग करीब 30 साल बाद आया है। हालांकि, महाकाल मंदिर ग्वालियर पंचांग से चलता है इसलिए मंदिर के अन्य पुजारी पुरोहित से मंथन करने के बाद निर्णय लेंगे कि मंदिर में शिव नवरात्रि दस दिन की मनाई जाए या फिर नौ दिन की।

यह शश योग विशेष मान्यता इसलिए रखता है, क्योंकि यह योग शनि के केंद्र में होने से बनता है। इस योग को शुभ माना जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि इस योग में की गई साधना से सभी मनोकामना पूरी होती है।

दशकों बाद बना ऐसा योग- पौराणिक मान्यता के अनुसार इस प्रकार के योग में शिव पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। पूजन के बाद सभी मनोकामना पूरी होती है। इसलिए हर शिव भक्त को उपासना करनी चाहिए। भारतीय ज्योतिष शास्त्र की गणना और पंचांग की गणना के अनुसार महाकालेश्वर मंदिर में शिव नवरात्र का 10 दिन का अनुष्ठान विशेष ग्रहों की साक्षी में हो रहा है। दशकों बाद बनने वाले ग्रह योग में भगवान शिव का पार्थिव पूजन, मूर्ति पूजन, शिवलिंग पूजन या ध्यान पूजन करने से भौतिक और सांसारिक कल्याण की प्राप्ति होती है।

महाकाल मंदिर के महेश पुजारी ने बताया कि इस बार दस दिन की शिव नवरात्रि होने के चलते 10 दिन तक भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। हर साल 9 दिन तक चलने वाली शिव नवरात्रि में भगवान को रजत आभूषण, चंदन उबटन लगाया जाता है।

पुजारी शर्मा ने बताया कि इस बार सप्तमी दो दिन होने के चलते गृह नक्षत्र तिथि के कारण तीन दशक के बाद दस दिन का शिव नवरात्रि पर्व मनाया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर मिलेगा फलाहारी प्रसाद

26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में देशभर से श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आएंगे। इस दिन मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित निःशुल्क अन्नक्षेत्र में भक्तों के लिए विशेष फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। शिवरात्रि के दिन ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों तक भी फलाहार प्रसाद पहुंचाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर विशेष फलाहारी प्रसाद में साबूदाने की खिचड़ी, आलू की चिप्स, आम्टी, साबूदाने की खीर जैसे व्यंजन शामिल होंगे।

नंदी द्वार से प्रवेश, टनल से दर्शन कर बाहर जा सकेंगे

महाशिवरात्रि पर्व पर स्थानीय के साथ बड़ी संख्या में देश, विदेश से भी श्रद्धालु महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आते हैं। प्रबंध समिति ने उनके सुलभ दर्शन के लिए व्यवस्था की है। उनके प्रवेश से लेकर निर्गम तक कोई परेशानी न हो, इसके लिए समिति की बैठक हुई।

महाकालेश्वर मंदिर समिति प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन के लिए दो प्रमुख बदलाव किए हैं। प्रवेश द्वार त्रिवेणी संग्रहालय, नीलकंठ द्वार, अवंतिका द्वार हर जगह पर संकेतक लगाएंगे, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को पता चल सके उन्हें कहां से प्रवेश करना है। इस बार ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन करवाने के लिए टनल का पूरी क्षमता से उपयोग किया जाएगा। इसके पहले टनल को प्रायोगिक रूप से खोला गया था।

संपादकीय

मणिपुर- क्या शांति कायम होगी?

केन्द्र सरकार ने हिंसाग्रस्त मणिपुर में नई सरकार के गठन में नाकाम रहने के बाद आखिरकार राष्ट्रपति शासन लगा दिया। केन्द्र के इशारे पर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने पांच दिन पहले पद से इस्तीफा दिया था। उसके बाद केन्द्र सरकार व भाजपा की कोशिश थी कि किसी दूसरे नाम पर मुख्यमंत्री के लिए सहमति बने, लेकिन वह संभव नहीं हुआ और विगत 21 महीनों से नस्ली हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। लेकिन असल सवाल यह है कि क्या इसके बाद मणिपुर में शांति लौटेगी या फिर हालात और खराब होंगे? राष्ट्रपति द्वारा गुरुवार को जारी अधिसूचना के अनुसार इस दौरान विधानसभा को निलंबित अवस्था में रखा गया है। इसका अर्थ यह है कि मणिपुर में जल्द चुनाव होने की संभावना नहीं है। साथ ही पर्दे के पीछे से फिर से सरकार बनाने की कोशिशें जारी रहेंगी। विपक्षी कांग्रेस ने राष्ट्रपति शासन लगाने के फैसले की यह कहकर आलोचना की है कि यह संविधान के अनुच्छेद 174 का उल्लंघन है। संविधान कहता है कि विधानसभा के दो सत्रों के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। मणिपुर में विधानसभा का अंतिम सत्र 12 अगस्त 2024 को पूरा हुआ था और अगला सत्र छह महीने के अंदर बुलाया जाना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वैसे भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुरू से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग करते रहे हैं कि वो मणिपुर जाएं और वहां के हालात देखें। लेकिन पीएम अभी तक मणिपुर नहीं गए हैं। उन्होंने कहा राज्य में जारी हिंसा के बावजूद पीएम मोदी ने एन बीरेन सिंह को पद पर बनाए रखा। लेकिन अब लोगों की तरफ से बढ़ते दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव की वजह से एन बीरेन सिंह को इस्तीफा देना पड़ा। गौरतलब है कि मणिपुर में 3 मई 2023 से राज्य में जातीय संघर्ष चल रहा है। इसमें 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा की वजह से मैतेई और कुकी, दोनों समुदाय के हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। कुकी व नगा आदिवासी समुदाय ने मैतेई समुदाय को आदिवासी का दर्जा देने का विरोध कर रहे हैं। इसको लेकर दोनों समुदायों के बीच लगातार हिंसक संघर्ष व मारकाट हो रही है। सदियों से साथ रहे इन समुदायों का परस्पर विश्वास उठ चुका है। ऐसे में कुकियों ने तो अलग राज्य की मांग तक कर डाली है। इस हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। उपद्रवियों ने सुरक्षा बलों के हथियार भी जमकर लूटे हैं। वैसे मणिपुर में कुछ बड़ा होने वाला है, इसका आभास पूर्व केन्द्रीय सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाने के बाद ही हो गया था। इस्तीफे के पहले भी भाजपा ने वहां फिर से अपनी सरकार बनाने की कोशिश की, लेकिन किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन सकी। परिणामस्वरूप राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि 60 सदस्यों वाली विधानसभा में बीजेपी के पास 37 विधायक और सहयोगी दलों के 11 विधायक हैं। मोदी सरकार नहीं चाहती थी कि विस में अविश्वास प्रस्ताव पर बीरेन सिंह सरकार गिर जाए। इसी के चलते सीएम से पहले ही इस्तीफा दिलवा दिया गया। 2014 में नरेंद्र मोदी के केंद्र की सत्ता संभालने के बाद यह पहला अवसर है जब उन्हें अपने ही शासन वाले राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने को मजबूर होना पड़ा है। अगर केन्द्र सरकार समय रहते राज्य के नेतृत्व में बदलाव और दोनों मुख्य समुदायों के बीच सौहार्द्र कायम करने की गंभीर कोशिश करती तो राष्ट्रपति शासन लगाने की नौबत ही नहीं आती।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

बच्चों की गरिमा सहेजने की पहल

विश्व में अशांति ने भी बच्चों को ज्यादा तबाह किया है। पढ़ने के लिए कोशिश करने के बजाय अराजकतावादी देश तो बच्चों के साथ अब क्रूरता से पेश आने लगे हैं और बचपन व किशोरावस्था को बलि चढ़ाने पर ज्यादा सक्रिय दिख रहे हैं। वर्ष 2024 में बाल अधिकारों पर कन्वेंशन की पैंतीसवीं वर्षगांठ मनाई गई थी, जिसमें अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सैनिकों के रूप में भर्ती और उपयोग पर रोक लगाने के लिए वैकल्पिक प्रोटोकॉल की बात हुई। 2024 तो सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों सहित, बच्चों के मौलिक अधिकारों को आगे बढ़ाने में उत्सव का वर्ष होना चाहिए था, लेकिन इसकी जगह माहौल क्रूरतापूर्वक ज्यादा दिखा है। बच्चों ने मानव निर्मित विवादों के बीच मानवता की तलाश की, उसमें भी देश असमर्थता जाहिर करते नज़र आए। दुनिया बच्चों के मानव अधिकारों को लेकर कितना विवश है, चिंता होती है।

भारत में नौनिहालों की चिंता करना इसलिए जरूरी है क्योंकि यदि बच्चे सुरक्षित व गरिमामय नहीं होंगे तो देश के भविष्य को सम्हालेगा कौन? आज़ विश्व में निरंतर बदलाव हो रहे हैं और बच्चे संघर्ष कर रहे हैं। अब एआई की दस्तक के बाद यूनेस्को के अध्ययन से पता चला है कि लगभग तीन में से एक शिक्षार्थी पर स्कूली शिक्षा के एक साल के दौरान, कम से कम एक बार शारीरिक हमले का शिकार हुआ है और दस में से एक को साइबर-बुलिंग से गुज़रना पड़ा है। दुनिया भर में स्कूलों के भीतर व बाहर इतने अधिक बच्चे हिंसा का अनुभव कर रहे हैं जिसके परिणाम बेहद घातक हो सकते हैं। इससे ख़ासतौर पर छात्रों के कल्याण, शिक्षा परिणामों व जीवन की गुणवत्ता पर गम्भीर असर पड़ने जा रहा है। चिंता की बात है कि दुनिया भर में 25 करोड़ से अधिक बच्चे व युवा, स्कूली शिक्षा से वंचित हैं, भारत भी इस आंकड़े से अपने आपको अलग नहीं कर सका है। यह चुनौती गरीब तीसरी दुनिया के देश, अर्ध विकसित व विकासशील देशों के सामने ज्यादा है।

विश्व में अशांति ने भी बच्चों को ज्यादा तबाह किया है। पढ़ने के लिए कोशिश करने के बजाय अराजकतावादी देश तो बच्चों के साथ अब क्रूरता से पेश आने लगे हैं और बचपन व किशोरावस्था को बलि चढ़ाने पर ज्यादा सक्रिय दिख रहे हैं। वर्ष 2024 में बाल अधिकारों पर कन्वेंशन की पैंतीसवीं वर्षगांठ मनाई गई थी, जिसमें अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सैनिकों के रूप में भर्ती और उपयोग पर रोक लगाने के लिए वैकल्पिक प्रोटोकॉल की बात हुई। 2024 तो सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों सहित, बच्चों के मौलिक अधिकारों को आगे बढ़ाने में उत्सव का वर्ष होना चाहिए था, लेकिन इसकी जगह माहौल क्रूरतापूर्वक ज्यादा दिखा है। बच्चों ने मानव निर्मित विवादों के बीच मानवता की तलाश की, उसमें भी देश असमर्थता जाहिर करते नज़र आए। दुनिया बच्चों के मानव अधिकारों को लेकर कितना विवश है, चिंता होती है। सशस्त्र संघर्ष रोकने के बजाय, सशस्त्र समूहों ने अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बच्चों की बड़े पैमाने पर भर्ती की है। कोलंबिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेक चाड बेसिन, मोज़ाम्बिक, साहेल, सूडान, सोमालिया, सीरिया और हैती में बच्चों को अपने बचपने में अनेक दुराचारों व अतिक्रमण का सामना करना पड़ा है। बच्चों के अपहरण हुए। उन्हें जबरन सशत्र सेना में भर्ती कर लिया गया। इन बच्चों में से अधिकांश लड़कियाँ हैं, जिन्हें बलात्कार और यौन हिंसा का भी सामना करना पड़ा है। इन बच्चियों को खरीदा, बेचा और तस्करी किया गया है जैसे कि वे मनुष्य हों ही नहीं।

ऐसे कड़े चुनौतीपूर्ण समय में भारत ने बच्चों को लेकर बहुत सुचिंतित कदम उठाया है। भारत के राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग-एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम अभी ज़ल्दी ही आयोग में बतौर अध्यक्ष कार्यभार सम्हाले हैं। उन्होंने बच्चों के प्रति अपने मानवीय चिंताओं को सबसे पहले संज्ञान में लिया है। वह चाहते हैं कि कानून के साथ संघर्ष कर रहे बच्चों के बारे में प्रामाणिक और सत्यापित आंकड़े होना आवश्यक है, ताकि उनकी समस्याओं को स्पष्ट रूप से समझा जा सके और इन समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव दिए जा सकें।

कानून के साथ संघर्ष कर रहे बच्चों के मानव अधिकार विषय पर केन्द्रित कोर ग्रुप व अपने सहयोगी सदस्य व महासचिव के साथ बैठक में बच्चों पर उन्होंने विशेष ध्यान देने पर बल दिया है जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष की इच्छा है कि सबसे पहले वे किशोर न्याय प्रणाली के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक उपायों के हिस्से के रूप में कानूनों में संशोधन, नियमों में बदलाव या एसओपी द्वारा सुधार पर कार्य करें। यह दरअसल न्याय की पहल है। बच्चों के न्याय की पहल। भारतीय बच्चे संकट में हों तो भारत के कल्याणकारी राज्य होने पर प्रश्नचिन्ह होगा।

इस दृष्टि से न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम की कोशिश बच्चों की प्रसन्नता सूचकांक को ठीक करने को लेकर है। अच्छी बात यह है कि इस कोर ग्रुप की बैठक में जहाँ डायवर्जन कार्यक्रम विकसित करने की सिफारिशें की गयी है जिसके तहत यह कहा गया है कि किशोर अपराधियों को अपराध स्वीकार करना चाहिए, किशोर अपराधियों को डायवर्जन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए, किशोर अपराधी न्यायालय प्रक्रिया के हकदार हैं, यदि वे या उनके अभिभावक डायवर्जन उपायों से असहमत हैं। किशोर अपराधी किसी भी समय डायवर्जन प्रक्रिया से हट सकते हैं। और औपचारिक न्यायालय प्रक्रिया का विकल्प भी चुन सकते हैं वहीं जो सुझाव व्यक्त किए गए हैं कि कानून के साथ संघर्ष कर रहे बच्चों से संबंधित कार्यवाही की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध हो, उनकी पहचान उजागर किए बिना उपलब्ध हो, सभी राज्यों में बाल संरक्षण अधिकारियों का एक कैडर स्थापित हो, बाल संरक्षण कार्यबल के भीतर जिम्मेदारियों की पहचान करना और उनका निर्धारण हो, तथा बाल देखभाल तंत्र को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव हैं। साथ ही सुझाव यह भी हैं कि परामर्शदाताओं सहित पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करते हुए बाल देखभाल संस्थानों का सोशल ऑडिट किया जाए, बच्चों को उपयोगी गतिविधियों में शामिल करने के लिए संस्थागत योगदान को प्रोत्साहित करना ज़रूरी है, कानून के साथ संघर्ष कर रहे बच्चों के लिए कानूनी सहायता तंत्र को मजबूत भी किया जाए, बाल अपराधियों के लिए सुधारात्मक उपाय के रूप में सामुदायिक सेवा को विस्तारित किया जाए, पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण कार्यक्रमों को नया रूप दिया जाए, बाल कल्याण में शामिल हितधारकों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण शुरू हो, जिसमें बाल अपराधियों के व्यवहार संबंधी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाए, देश भर में बाल अपराधियों के कल्याण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को एकत्रित कर उनका प्रचार भी हो, बाल देखभाल संस्थानों के लिए वित्त पोषण में वृद्धि की जाए। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया-एसओपी अवश्य विकसित हो, आयोग देश में कानून के साथ संघर्ष कर रहे बच्चों के मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए इन सुझावों और इनपुट पर विचार-विमर्श में निरंतरता रखे, यह सब यदि शामिल होता है तो इससे बाल अपराध और कानून की मर्यादाओं को जमीन मिलेगी। संभवत: इसके पीछे ऐसी मंशा है कि बच्चे अपराध से कैसे मुक्त हों और उनका जीवन कैसे बचे?

दरअसल, काउंसलिंग, पुनर्वास और परिवारों में पुन: एकीकरण के संदर्भ में भविष्य की संभावनाएं खोजने का यह बहुत ही उत्कृष्ट अभियान है। ऐसे बच्चों के लिए पीड़ित-अपराधी मध्यस्थता, चेतावनी, स्थानीय समुदाय सुधार परिषद, संयुक्त परिवार बैठकें, सर्कल ट्रायल, किशोर न्यायालय और सामुदायिक सेवा, रहवास के साथ शिक्षा, स्वाश्त्य व जीवन-गरिमा का कार्य यदि मूर्तरूप पाया तो भारत के बच्चे जो ऐसे चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपने जीवन को ठीक तरह जी सकेंगे। आज जब दुनिया में बच्चों तक सुरक्षित और निर्बाध मानवीय पहुंच प्रदान करने की कोशिश हो रही है। बाल अधिकारों पर कन्वेंशन सहित अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी कानून, मानवाधिकार कानून का जिम्मेदारीपूर्ण कार्यान्वयन, नए विस्फोटकों का उन्मूलन, स्कूलों के सैन्य उपयोग पर प्रतिबंध और कार्मिक-विरोधी बारूदी सुरंगों को प्रतिबंधित करने और खत्म करने की आवश्यकता, महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं बनती जा रही हैं खासकर जिन बच्चों को सशस्त्र संघर्ष से बचने में मदद की आवश्यकता है उसी समय राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग अपनी प्राथमिकता को समझ रहा है और आयोग के अध्यक्ष द्वारा उस पर गंभीरता दिखाई जा रही है तो निश्चय ही भारतीय बच्चों के हित में हैं।

यदि दुनिया के सभी देश अपने देश के बच्चों की छोटी छोटी किन्तु विषम परिस्थितियों व चुनौतियों को समाप्त करें तो बच्चे मानवाधिकारों के साथ जी सकेंगे लेकिन इस इच्छाशक्ति के लिए उन्हें नभी लगता है व्यापक काउंसलिंग की आवश्यकता है।

राजनीति

अवधेश कुमार

लेखक पत्रकार हैं।

इतिहास के अध्याय के अंत की ध्वनियां

दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम हर दृष्टि से असाधारण है। पूर्व मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा एकमात्र चेहरा अरविंद केजरीवाल, उनके दूसरे साथी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का चुनाव में पराजित होना एक दशक की राजनीति की सबसे बड़ी परिघटना है। कांटे के संघर्ष में भी केजरीवाल का भाजपा के प्रवेश वर्मा से 4389 मतों से हारना छोटी पराजय नहीं मानी जा सकती। हां, मनीष सिसोदिया का 675 मतों से हारना अवश्य छोटी विजय है किंतु यहां मुस्लिम मत एकपक्षीय उनके साथ गया। इसी तरह मंत्री सौरभ भारद्वाज 3 हजार 188 और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन 20 हजार 998 मतों से हारे। मुख्यमंत्री आतीशी भी हारते-हारते बचीं। आखिरी दौर में मिली बढ़त से रमेश विधुड़ी से 3 हजार 521 मतों से आगे निकल पाईं। पिछले दो विधानसभा चुनावों से एकतरफा जीत हासिल करने वाली आप के खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान कितना गहरा था इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि अरविंद केजरीवाल अपने क्षेत्र के 123 मतदान केन्द्रों में से 115 पर पराजित रहे। भाजपा को 45.8 प्रतिशत मत मिले जो अब तक विधानसभा चुनावों में उसका सर्वाधिक है। 1993 विधानसभा चुनाव में उसे 42.8 प्रतिशत मत और 49 सीटें मिलीं थीं। आप को 43.57 प्रतिशत मत मिले। कह सकते हैं कि केवल दो प्रतिशत से थोड़ा अधिक के अंतर से जीत और हार को बड़ी घटना नहीं माना जा सकता। पिछले चुनाव में भाजपा को 38.51 प्रतिशत तथा आप को 53.57 प्रतिशत मत मिला था। इस तरह भाजपा के मतों में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि और आप के मतों में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। यह 10 प्रतिशत की गिरावट असाधारण है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप जैसे राजनीतिक चरित्र वाले पार्टी को पराजित करना एक समय असंभव जैसा लगता था। इसीलिए इसे केवल दो पार्टियों के बीच की सामान्य चुनावी लड़ाई में मिली हार और जीत के रूप में नहीं देखा जा सकता। अगर यहां कांग्रेस और भाजपा होती तथा कांग्रेस से भाजपा जीतती तब भी विजय बड़ी मानी जाती, वह असाधारण नहीं होता।

वास्तव में प्रत्येक चुनाव के अनुरूप इसके भी जीत हार का विश्लेषण हो रहा है और वह गलत नहीं है। सतह पर दिखते अनेक कारक इस चुनाव परिणाम में लागू होते हैं। हम आप के उदय, उसकी पृष्ठभूमि, आचरण और सोच के अनुसार मूल्यांकन करें तभी इस परिणाम के निहितार्थ समझ में आएंगे। अरविंद केजरीवाल 2011 में देश में एक नायक के रूप में उभरे। पहले अन्ना हजारे को सामने रखकर उन्होंने देश की चिंता में सक्रिय भारी संख्या में लोगों के अंदर समाज में व्यापक बदलाव का सपना दिखाया। व्यवस्था परिवर्तन,जिसमें दलीय राजनीति से बाहर रहकर काम करने वालों की बड़ी फौज खड़ी हुई, एक क्रांति का आह्वान था। हालांकि उन सपनों और क्रांति का अंत तभी हो गया जब राजनीति में न जाने और राजनीतिक दल न बनाने का शपथ लेने वाले केजरीवाल ने 2 अक्टूबर, 2012 को आम आदमी पार्टी बना लिया। तब भी देश में राजनीति के माध्यम से सत्ता और समाज में बदलाव की कल्पना करने वालों के लिए वो उम्मीद की किरण बने रहे। तब नई राजनीति, सत्ता की नई प्रकृति तथा जनप्रतिनिधियों के व्यवहार के नए मापदंड बनाने के संकल्प व्यक्त किए गए। इनमें भ्रष्टाचारविहीन, फिजूलखर्ची, वीआईपीवाद, भारी सुरक्षा व्यवस्था में चलने वाले नेताओं के दौर से पूरी तरह मुक्त सच्चे स्वराज और सच्चे लोकतंत्र स्थापना का उद्घोष किया गया था। घोषणा की गई कि न सरकारी आवास लेंगे, न बड़ी गाड़ियों पर चलेंगे, न सुरक्षा लेंगे,न हमारे कारण ट्रैफिक जाम होगी। यह पूरी तरह जनता के द्वारा, जनता के बीच और जनता के साथ चलने वाली राजनीति और सरकार होगी। राजनीति से भ्रष्टाचार और अपराध का अंत होगा तथा किसी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा तो वह मुकदमे की प्रतीक्षा किए बगैर सत्ता से बाहर हो जाएगा। दिल्ली की सत्ता में आने के साथ इन विचारों के विपरीत केजरीवाल से लेकर उनके साथियों ने सारी विद्रूपताएं अपनाईं जिनको लेकर राजनीति से वितृष्णा पैदा हो रही थी। वीआईपीवाद, सरकारी तामझाम,आवास, सुरक्षा घेरे आदि में किसी प्रकार की कमी हो तो उसे ही राजनीति का मुद्दा बनाने के बदले हुए रंग ने इन सपनों को भी ध्वस्त कर दिया। बावजूद जनता ने उन्हें 2020 में सत्ता तक लाया क क्योंकि लोगों को उनसे कुछ उम्मीदें थी। राजनीति में चुनाव जीतने का उन्होंने जनता को फ्री बीज रेवड़ियों का लालची बना देने का सूत्र निकाला और इसका प्रभाव हुआ। लोगों ने उन्हें पंजाब की सत्ता भी सौंपी। 2022 आते-आते भ्रष्टाचार के ऐसे आरोप सामने आने लगे जिनमें कानूनी दांवपेंच से परे आम लोगों और पार्टी में भी बड़े वर्ग को दिखने लगा कि भ्रष्टाचार हुआ है। आबकारी नीति ने साफ कर दिया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाकर शुचिता, नैतिकता की शपथ लेकर सत्ता में आने वाले स्वयं भ्रष्टाचार के वाहक बनने लगे। मुख्यमंत्री आवास, जिसे शीशमहल कहा गया, पर 45 करोड़ रुपए के खर्चे और इन सबको सही ठहराने के रवैये ने इन सारे सपनों को भी पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। अगला चरण पार्टी के रूप में दिल्ली से चुनावी पराजय थी। तो क्या यहां से राजनीतिक दल के रूप में इतिहास के इस अध्याय के अंत की शुरुआत हो जाएगी? एक चुनाव में जीत हार से सामान्यत किसी पार्टी के अंत की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। किंतु आप और केजरीवाल का मामला, जैसा ऊपर बताया सामान्य पार्टियों से अलग है।

दिखाये सपनों और किये वायदों के विपरीत आचरण में सीमाओं को पार कर गए तो कम से कम एक सामान्य राजनीतिक दल की तरह शासन की जिम्मेवारियों को ठीक से पूरा करते। यहां शत-प्रतिशत नकारा। दिल्ली की सड़कों की हालत खराब हो गई, जगह-जगह गड्ढे बन गए। इससे गाड़ियों की गति धीमी होने से ट्रैफिक जाम और वाहनों के मेंटेनेंस खर्च बढ़े। सड़क टूटने से जगह-जगह जलभराव ने बुरी स्थिति पैदा की। मेट्रो से बने फूटओवर ब्रिज जर्जर हो चुके हैं। 10 सालों में पेंटिंग तक नहीं हुई। बची-खुची यमुना गंदे नाले में बदल गई। भयावह प्रदूषण के कारण पूरे विश्व में भारत को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। शिक्षा और स्वास्थ्य का प्रचार बहुत हुआ लेकिन जमीन पर वैसा कुछ नहीं दिखा। 700 लीटर पानी और 200 यूनिट बिजली शुल्क माफ करने तथा महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा का असर हुआ। लेकिन सामान्य परिवारों में पानी का बिल तीन-चार महीने पर एक बार इतना आ जाता था जितना पहले पूरे साल में नहीं देना पड़ता था। पानी इतना घटिया कि सामान्य आदमी को भी खरीद कर पीना पड़ता है।

दरअसल, केजरीवाल ने मान लिया कि सच को झूठ और झूठ को सच बताने तथा रंग बदलने से दिल्ली के लोग प्रभावित रहते हैं। बस, काम न होने के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराओ, समाज के बहुत बड़े वर्ग को मुफ्तखोरी की आदत लगाए रखो और चुनाव जीतते रहो। उनको उम्मीद नहीं थी कि हरियाणा पर यमुना के जल में जहर मिलाने का आरोप उल्टा पड़ जाएगा। इसके कारण यमुना तो बड़ा मुद्दा बना ही, सड़क, पानी, बिजली, पर्यावरण सहित सम्पूर्ण नागरिक व्यवस्था मुद्दे बन गए और उनके विपरीत गए। बहुत बड़े वर्ग को लगा कि केजरीवाल और उनके साथियों को काम करने आता ही नहीं, केवल गाल बजाते हैं तथा सारे अपराध और पाप करते हैं। इनकी छवि ठग की बनी। बावजूद केजरीवाल मुगालते में रहे कि कांग्रेस की कोई हैसियत नहीं और भाजपा की काट के लिए उन्होंने हिंदुत्व पर आईएनडीआईए के शेष दलों से उलट मुखर रुख धारण किया। उन्हें लगता था कि जब भाजपा के पास मेरे समानांतर नेतृत्व का चेहरा नहीं तो हमें पराजित कर नहीं सकते। दूसरी ओर भाजपा ने इस बार लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद ही दिल्ली चुनाव की तैयारी की, हर स्तर पर मोर्चाबंदी, केजरीवाल को सीधा निशाना बनाया तथा मुफ्तखोरी की सारी घोषणाएं कर दी और परिणाम सामने है।

तो अब सत्ता नहीं रहने और प्रमुख नेताओं के विधानसभा में नहीं होने के बाद की तस्वीरों का आकलन करिए। उनके पास बचा क्या है? सत्ताविहीनता के बाद आप खजाने के पैसे को मुफ्तखोरी में लूटा नहीं सकते और दूसरा आपको कुछ आता नहीं । तो फिर आगे का अध्याय लिखा जाना इस समय तो असंभव दिखता है । क्या स्वयं की भूमिका से विश्वसनीयता और साख को निम्न बिंदु पर लाने के बाद केजरीवाल और उनके साथी किसी तरह के आंदोलन की कोशिश करेंगे तो लोग साथ आएंगे? यह ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर आप का भविष्य बता देता।

इंडियाज गॉट लेटेंट- अश्लीलता की पराकाष्ठा

दृष्टिकोण

डॉ.प्रमोद शंकर सोनी

निश्चित ही आप सभी ने हाल ही में Indias Got Latent में समय रैना के पॉडकास्ट में रणवीर अल्लाहबादिया द्वारा एक प्रतिभागी से किया गया अश्लीलता की पराकाष्ठा पार करते हुए वह प्रश्न तो जरूर सुना होगा जिसने हम सभी को शर्म से जड़वत कर दिया था। पूछा गया प्रश्न न सिर्फ पूर्णतया अस्वीकार्य था, बल्कि हमारी गर्वित हिन्दुस्तानी संस्कृति और नैतिक सीमाओं को तोड़ने की एक खतरनाक कोशिश भी है। अगर हम इसे फ्रीडम ऑफ स्पीच के नाम पर मात्र कॉमेडी करार देते हैं तो हमें बेहद सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि यह हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत, मर्यादा और सभ्यता का अति बेहूदा अपमान है।

रणवीर अलाहबादिया ने जिस तरह माता पिता के यौन संबंधों के बीच युवा होते पुत्र की सहभागिता खुले आम प्रश्न पूछा था उसने सच में हमारी सांस्कृतिक विरासत की चूलें हिला दी हैं। यह सिर्फ एक पॉडकास्ट की बात नहीं है, बल्कि उस समाज के उस विकृत रूप को बढ़ावा देता है जिसमें फूहड़ता और सनसनीखेज कंटेंट को आधुनिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर खुले आम परोसा जा रहा है। हमारी संस्कृति सम्मान, गरिमा और नैतिकता पर टिकी है। लेकिन आज की युवा पीढ़ी और ये तथाकथित कंटेंट क्रिएटर्स, पश्चिमी ट्रेंड्स की बेहूदा नकल करते हुए 'फ्री स्पीच' की आड़ में सारी मर्यादाओं का जनाजा निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। क्या हमारा मनोरंजन इतना सतही और निम्न स्तर का हो गया है कि उसमें शालीनता और संवेदनशीलता के लिए अब कोई जगह ही नहीं बची?

माना कि पश्चिमी देशों में ऐसे अश्लील, बेहूदा और शर्मशार करने वाले पॉडकास्ट और स्टैंडिंग कॉमेडी सा परिवार देखी जाती है और उस पर तालियां भी बजाई जाती हों पर क्या हमारी संस्कृति हमें उनकी नग्नता का अनुसरण करने को कहती है?आज भी हमारे यहाँ माता-पिता और बड़ों के पैर छूकर उनके आशीर्वाद लेकर दिन की शुरुआत करने की परंपरा है जहां माता पिता और बच्चों के मध्य संवाद हमेशा मर्यादा और सम्मान के दायरे में रहा है वहां रणवीर के कंटेस्टेंट से पूछे प्रश्न ने हमारी संस्कृति को तार तार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हमारे पवित्र ग्रन्थ रामायण और रामचरितमानस ने हमें सदैव माता-पिता और परिवार का सम्मान और सदैव उनकी आज्ञा का पालन करना सिखलाया है। यहां तक कि पति पत्नी के मध्य भी मर्यादायुक्त यौन सुचिता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। पर दुर्भाग्य से आज के पॉडकास्ट और डिजिटल कंटेंट, जिनके कंधों पर युवाओं को सही दिशा में ले जाने का दायित्व है वे उल्टा उन्हें अभद्रता, अश्लीलता और विस्फोटक सोच की ओर ले जा रहे हैं। हमारे देश ने हमेशा अपने कला, साहित्य और सिनेमा में संवेदनशीलता और गरिमा को प्राथमिकता दी है। तो फिर आज हम उन रियलिटी शोज़ और स्टैंड-अप कॉमेडी को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं, जो केवल अश्लील सस्ते मज़ाक और बेहूदगी पर टिकी हैं?

सच मानिए अश्लीलता का यही सिलसिला जारी रहा, तो हमारी गरिमामई सांस्कृतिक पहचान को रसातल में जाने में बिल्कुल समय नहीं लगेगा। आज जिस तरह से डिजिटल प्लेटफार्म तेजी से फल फूल रहा है उसे क्या हम यह तय करने देंगे कि हमारे समाज में क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं-वह भी घोर अश्लीलता को 'हास्य' के रूप में महिमामंडित करके? हमारी आज की युवा पीढ़ी स्वास्थ्यवर्धक रोचक और समाज द्वारा स्वीकार्य कंटेंट डिज़र्व करती है जिसमें रुचिकर हास्य के साथ एक ऐसा कंटेंट जो उन्हें प्रेरित करे, जागरूक बनाए और बौद्धिक रूप से समृद्ध करे। लेकिन अफसोस, आज अनेक कंटेंट क्रिएटर्स सिर्फ व्यूज़ और लाइक्स बढ़ाने के लिए घटिया स्तरहीन और अति निम्न स्तर के मनोरंजन को बढ़ावा दे रहे हैं। सच मानिए अगर इसे शीघ्र नहीं रोका गया, तो यह प्रवृत्ति हमारी सांस्कृतिक नींव को ध्वस्त कर सकती है।

आज यह समझना बेहद जरूरी है कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाए रखने के साथ-साथ नैतिकता और शालीनता की सीमाएँ भी तय करनी होंगी वरना नैतिक पतन निकट है। अतः अब समय आ गया है कि हम इस गिरते हुए स्तर के खिलाफ बुलंद आवाज़ उठाएँ। मेरी यह व्यक्तिगत राय है कि ऐसे तथा तथाकथित ऐसे पॉडकास्ट, जो फ्री स्पीच की आड़ में समाज में गंदगी फैला रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हास्य कभी भी गरिमा और शिष्टता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी कंटेंट गाइडलाइन्स को और मजबूत करना होगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएँ न दोहराई जाएँ। अब वक्त आ गया है कि समाज के तौर पर हम एक स्पष्ट रेखा खींचें। अश्लीलता को 'मनोरंजन' के नाम पर सामान्य नहीं बनने देना चाहिए। याद रखें अगर आज हम चुप रहे, तो आने वाली पीढ़ियाँ उन नैतिक मूल्यों को भूल जाएँगी, जिन्होंने भारत को अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और गरिमा के लिए पहचाना जाता है। मुझे उम्मीद है कि यह घटना कंटेंट क्रिएटर्स, नियामकों और दर्शकों के लिए एक वेक-अप कॉल साबित होगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जिंदगी में मुफ्त का आनंद

मुफ्त एक ऐसी चीज है, जिसे हर कोई पाना चाहता है। वह भी, जिसे कभी कोई चीज सुकून से भर पल्ले खर्च करने के बाद भी नहीं मिली। उसके घर के लोग भी उसे फ्री का जुगाड़ करने की हिदायत देते मिल जाते हैं। वे भी मौका खोजते हैं कि कुछ मुफ्त में उन्हें भी मिले। यह मुफ्त का तिलस्म है कि जिनके घर बुलेट है, फार्च्यूनर है, चार शयनागारों का आलीशान मकान है, उनके नाम भी बीपीएल की श्रेणी में शामिल हैं। आयुष्मान कार्ड में उनके नाम है। उनकी महिलाएँ लाडली बहना बनकर बैठी है। दिल्ली की बसों में फ्री यात्रा करती है। भंडारों की खबर लगते ही सपरिवार भंडारों में पहुँच जाते हैं। दो पूरियों पर सब्जी और नुक्ती डालकर देने वाले आयोजक से मिन्नतें करते अघाते नहीं है- भैया इतने में क्या होना है? ये तो दाढ़ को भी नहीं लगना है। दो तो पूरियाँ और दे दो। मंदिर में प्रसाद की पंक्ति में लगकर ये अपने भाई, बहन, माता, पिता, पति, पत्नी और बच्चों के लिए भी बारी बारी प्रसाद मांगते दिखाई देते हैं। वहीं कुछ लोग आपको फ्री में देने को उतावले हैं। देखो उसके आसपास फोटो खींचने वाला मौजूद होगा, प्रेस नोट लिखने वाला होगा। देने वाला यह इसलिए देना चाहता है कि वह बाद में आपसे ब्याज सहित वसूल कर सके। पर उसके लिए समस्या यह है कि जिसके पास कुछ नहीं उससे केवल वोट ले सकता है। देश में भंडारों की भीड़ है। इन भंडारों में बड़ी लाईन लगती है। अनाज मुफ्त, पानी मुफ्त, बिजली मुफ्त, मकान मुफ्त, पढ़ाई मुफ्त, इलाज मुफ्त, दूल्हा मुफ्त, दुल्हन मुफ्त शादी में तो बर्तन कपड़े मुफ्त, इसके बाद भी मुफ्त, मुफ्त, मुफ्त। जहाँ नहीं, वहाँ भंडारे खुले हुए हैं। नानक जी कह गये हैं, रामजी की चिड़िया, राम जी का खेत, चुग लो चिड़िया, भर भर पेट। चिड़िया के बारे में तय है कि वह उतना ही खाती है जितनी उसकी आवश्यकता है। पर आदमी! उसे केवल अपने लिए नहीं तो अपनी सात पुश्तों के लिए चाहिए। सो वह बटोरता है, बटोरता ही रहता है। यही है माले मुफ्त दिले बेरहम। यह एक ऐसी उक्ति है कि जिसे मुफ्त मिल रहा है वह टूटकर भुनाना चाहता है। जिसे नहीं मिल रहा वह दाता बनने की मुद्रा में जबरन बैठा है। उसे बताया गया कि वह जितना देगा उसका दस लाख ऊपर वाला देगा। ऊपर वाला देगा, तब देगा। आज जेब से जा रहा है, उसका क्या। जो दे रहा है, वह फोकटियों को जा रहा है। काम के बदले गया होता तो कोई बात होती। वो आयकर भरकर बेजार है। जो नहीं भर रहे वे मजा कर रहे हैं।

उधर दुकानदारों ने एक खरीदो, दो पाओ से बढ़कर एक खरीदो चार पाओ तक की सेल लगी है। घरवालियाँ, इन्हीं खरीदारी पर टूट पड़ रही हैं। पता चलता है कि चार सौ की साड़ी उसी सेल में चार हजार की हो जाती है और छः साड़ियाँ मुफ्त देकर बेचवाल दानवीर कर्ण बन जाता है। बाद में अहसास होता है कि अट्ठाइस सौ के बदले चार हजार देकर वह ठग चुका है। इधर जैसे जैसे आदमी के पद में वृद्धि होती है वैसे वैसे उसकी चाह मुफ्त पाने की हो जाती है। बड़े पद पर आसीन अधिकारी अपने मातहत से उम्मीद रखता है कि वह उसे भोजन कराए। चार के बीच में ग़लती से फँसने पर छोटे पर यह दबाव स्वाभाविक हो जाता है। अभी पिछले दिनों की बात है। बारीपाडा तहसील साक्री, जिला धुळे महाराष्ट्र से यह खबर है। वहाँ, वनशाक पकवान मेले का आयोजन किया गया था। भोजन के लिए मात्र तीस रुपये का कूपन रखा गया था। भोजन में नागरी की रोटी, इंद्रायणी चावल का भात, तूवर की दाल और वनशाक की सब्ज़ी। आस-पड़ोस के गांवों से जुटे लगभग हजार लोगों में से खाना खाया। खाने के बाद कूपन गिने गये तो, कुल चार सौ नौ कूपन मिले पर खाने वालों की संख्या पांच सौ के पार थी। पता करने पर जानकारी लगी कि ये मुफ्त में खाने वाले शासन के अधिकारी कर्मचारी थे जिनमें वन विभाग, पुलिस, राजस्व अधिकारी, यहां तक कि कई प्रोफेसर्स जिन्हें सातवां वेतनमान मिल रहा था आदि निकले। जबकि गांव के लोग इस भोज में शामिल ही नहीं हुए थे। सचमुच मुफ्त का मजा इन लोगों के अलावा और कौन जानता होगा? कहते हैं, ये वे लोग हैं, जो कुछ भी खाते हैं, उसके बाद डकार भी नहीं लेते।

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब

पुण्यतिथि पर विशेष

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल

लेखक स्तंभकार हैं।

ग़ालिब-मेरी मुराद मिर्जा ग़ालिब से है जो एक बड़े, ऊंचे और अच्छे खानदान के वारिस थे। ग़ालिब, मेरी मुराद उस नामचीन शायर से है जिसने शायरी में न सिर्फ अपनी आमद दर्ज कराई बल्कि अपनी हैसियत के परचम को हमेशा हवाओं में उड़ते रहने का दर्जा भी दिया। ग़ालिब- हां मेरी मुराद उस आम आदमी से भी है जिसने ज़िन्दगी को बादलों के बीच तैरते हुए उड़ते हुए देखा और उससे जुड़े हुए तमाम हसीन सपने भी देखे और उसके बाद रोजमर्रा की ज़िन्दगी में उन सपनों को, ख्वाबों को टूटते मुर्झाते हुए देखकर खुद को तिल-तिल मरते हुए महसूस भी किया। मेरी मुराद मिर्जा ग़ालिब से उनके एक बड़े नायाब शेर से है-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है

और बात यह है कि इस 'कुछ' में कुछ क्या है? अगर इस 'कुछ' लफ़्ज में 'कुछ' नहीं होता तो शायद ये शेर इतना गहरा, इतना हसीन, इतना बहुआयामी नहीं होता। मैं इस कुछ को देखने परखने-समझने की तलाश में कई दिनों बेचैन रहा हूं. ये शेर सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि ये ग़ालिब का है और न इसलिए चर्चा का विषय है ये ग़ालिब का है। ये महत्वपूर्ण और चर्चा का विषय इसलिए भी है कि ये शेर ग़ालिब की ज़िन्दगी से बहुत गहरा ताल्लुक रखता है जिसने अपने बाद की उर्दू ग़ज़ल को एक नया मोड़, एक नया रास्ता दिया।

ग़ालिब, हां मिर्जा ग़ालिब बहुत ज्यादा सोचना पड़ता है। ये शख्स सिर्फ एक शायर था, एक बहुत बड़ा फिलॉस्फर या कोई बड़ा फकीर जिसका अपना जीवन खानकाहों में बीता मगर घर खानकाह न बन सका। वो एक शायर हुआ तो क्यूं हुआ? एक आम आदमी की ज़िन्दगी की सूरत ने उसकी तंगदस्ती ने उसे शायर बनाया या उसके भीतर हिलोरें लेते उस देशभक्ति के ज़ज्बे ने जिसने बहुत जल्द दिल्ली की गद्दी पर फिरंगियों के कब्जे को भांप लिया था या साम्प्रदायिक सद्भाव की उस ज़िन्दा शख्सियत ने या उस एक आइडियल परसन ने जो साम्प्रदायिक दंगों की खतरनाक सच्चाईयां की तीखी धार से गुजरा। नोडाउट! ग़ालिब बड़े शायर हैं बहुत बड़े। उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में बहुत से अच्छे प्यारे शानदार जानदार शेर कहे हैं और मैं केवल इस एक शेर पर बात करना चाहता हूं-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

ग़ज़ल के किसी शेर को समझना हो तो सबसे पहले उस शेर में उस शब्द को ढूंढना पड़ता है जो उसमें 'कीवर्ड या कोर्डवर्ड की हैसियत रखता है। वह शब्द उस शेर रूपी ताले की उस चाबी की तरह होता है जो उसे खोल सकती है। इसे शायरी में कुलीदी लफ़्ज भी कहते हैं। और इस लफ़्ज की सही पहचान है जिसकी वजह से शेर नायाब हो जाये। जो मानी यानि अर्थ के स्तर पर दोहरे-तिहरे अर्थ संकेत दे या जिसकी वजह से शेर बहुआयामी हो जाये।

ग़ालिब के शेर को देखें तो सतही तौर पर चार शब्द बेखुदी बेसबब और पर्दादारी अपने निश्चित अर्थ रखते हैं उनमें सांकेतिकता तो हो सकती है लेकिन उनका कोई गूढ़ अर्थ नहीं है और इनमें से कोई शब्द शेर को बहुआयामी मल्टिडायमेंशनल नहीं बनाता। पर्दादारी लफ़्ज से कुछ सहारा मिलता है लेकिन वह जुड़ा है 'कुछ तो है से। पर्दादारी के मानी बहुत साफ हैं लेकिन कुछ तो है सोचते रहिये, ढूंढते रहिये परखते रहिये कुछ तो है -उस समन्दर की तरह है जिसमें गोते लगाने वाला थक हारकर किनारे पर आ सकता है मगर उसकी गहराई और विस्तार में पूरी तरह नहीं उतर सकता। मैं खुद पिछले बीस सालों से इसमें डूबता-उतराता रहा हूं। 'कुछ तो है यकीनन इस शेर में कुछ तो है जो वाकई इतना हसीन, इतना नायाब, इतना आकर्षक इतना गहरा लगता है।

किसी भी अच्छे शेर की यह पहचान होती है कि उसमें भावनाओं, संवेदनाओं के अनूठे संगम के साथ-साथ बहुआयामी चित्रात्मकता बिम्बात्मकता भी हो। हो सकता है ये शेर मुझे इसलिए अच्छा लगा हो कि यह मेरे मिज़ाज के अनुकूल हो या मेरी समझ में सही उतरता हो या मेरी समझ में सही ढंग से अभी तक न उतरा हो।

ध्यान दें कि ये शेर मक्ते का शेर है जो कि शायर अपने तख़ल्लुस का प्रयोग करते हुए स्वयं को संबोधित करता है और कोशिश करता है कि यह ग़ज़ल का सबसे अच्छा शेर साबित हो और इसमें कुछ ऐसा भी हो जो उनकी निजी ज़िन्दगी से ताल्लुक रखता हो या उसके बारे में लोगों को कुछ जानकारी दे सके और उनका तखल्लुस शेर में अपने होने को सही जगह पर होने को साबित कर सके। और ध्यान दें कि मक्ते के शेर में शायर की कोशिश क्या होती थी या मक्ते के शेर में प्रतिस्पर्धा के कारण उस समय दरबारी वातावरण में शायर क्या कहने की कोशिश करते थे मैंने ग़ालिब पर उनकी शायरी पर पीएच.डी. नहीं की .. फिर भी जो एक शेर मुझे पसंद आया अच्छा लगा मेरी रूह की गहराईयों में उतरा और जिस एक शेर ने मुझे ग़ालिब की पूरी ज़िन्दगी और उनकी शायरी को समझने का सलीका दिया तमीज दी वो शेर यही है आप मेरे कहने से ये शेर देखें समझें ज़हन में उतारें और उनका बचपन उनकी जवानी उनकी अधेड़ावस्था उनका बुढ़ापा उम्र का आखिरी दौर अच्छी तरह देखें अच्छी तरह से जांचें परखें और इस शेर को बराबर याद रखें-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है.

ग़ालिब की ग़रीबी और तंगदस्ती कदम दर क़दम तंग हालातों के तीखे कड़वे अनुभव अहसास से गुजरें और एक बार फिर से इस शेर को समझने की इसमें उतरने की जुर्रत करें ग़ालिब का आत्मसम्मान कुछ-कुछ ओढ़ा दिन प्रतिदिन बदलते हुए हालात और समय के साथ समझौता न करने की आदत को समझें और एक बार फिर इस शेर को समझें ग़ालिब के बुरे दिनों में उतरें मुसीबतों और मजबूरियों में न चाहते हुए भी हजारों के सामने मदद के लिए हाथ फैलाने कुछ मांगने गिड़गिड़ाने की अवस्था को समझें और ये शेर देखें-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

ग़ालिब की दरबारी शायर होने की वर्षा की इच्छा उस जमाने के बड़े-बड़े दरबारी शायरों से होड़ और राजदरबार व अदबी हल्कांह्य में जौक़ जैसा ओहदा हासिल न कर पाने की पीड़ा में उतरें अपनी इसी पीड़ा का इजहार -

बना है शाह का मुसाहिब फिरे है इतराता
वरना इस शहर में ग़ालिब की आबरू क्या है।

अपनी शायरी पर लोगों की तवज्जोह न होने का दर्द और ग़ालिब के यह शेर कहने की मजबूरी-

न सताइश की तमन्ना न सिले की परवाह
गर नहीं है मेरे अल्फाज़ में पानी न सही

भरी जवानी में अपनी प्रेयसी की मौत और उसकी यादों में जीते उसकी अदाओं में तड़पते ग़ालिब के जजबात को इमोशन्स को महसूस करें।

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

मिर्जा ग़ालिब एक ऐसा आम आदमी जिसे कर्जदारों के मुकदमों और मुकदमों की डिग्रियों के डर से घर में घुसकर बैठना पड़ता हो या जिस शखूस को विरोधियों के षड्यंत्र से जुए की लत के कारण जेल में रहना पड़ा हो जिसकी अपनी आदतों से उसके अपने परिवार को अपमानित होना पड़ा हो इसी पीड़ा दर्द से गुज़रते हुए कुछ कहना हो तो इस शेर के अलावा वह और क्या कह सकता है-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है.

वह ग़ालिब जो अपने आखिरी दौर में अपने स्वाभिमान के अपराध में रोटियों की जगह अपनी मां बहिनों की गालियां खाता रहा या जिसके घर में बच्चों की उछलकूद की जगह लाशें नज़र आई हों या वो ग़ालिब जो मरते समय भी ये जानता था कि उसके बाद विधवा पत्नी पर क्या बीतेगी।ग़ालिब की आंखों के आगे उसके अज़ीज मृत्यु को प्राप्त हुए दिल्ली में गदर हुआ क़त्लेआम हुआ. तमाम मिलने वाले फांसी पर चढ़ा दिये गये या काले पानी भेज दिये गये. ऐसे हालात में कोई शायर जिस पर कहने की भी बंदिस हो आखिर कहे तो क्या। आप ग़ालिब की बेखुदी के सबब समझें शायद तभी इस कुछ तो है को समझने की कोशिश सार्थक हो सके. ग़ालिब ने ज़िन्दगी के वो मंज़र देखे हैं जो यकीनन किसी ने नहीं देखे होंगे। उनके शेरों को देखें तो ग़ालिब निराशावादी नजर आते हैं। लेकिन ग़ालिब इस निराशा और तमाम बुरे हालातों में भी खुद को सम्हाले रखने का जज्बा रखते हैं। तभी कह पाते हैं-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

और यह उनकी हिम्मत और परिस्थितियों पर काबू करने की क्षमता का द्योतक है। हर तरह की दुश्वारियों से पार पाने का इसलिए ये शेर उनकी कमजोरी का नहीं ज़िन्दगी और परिस्थितियों से उनके लड़ते रहने की प्रवृतियों और हिम्मत की हिमायत करता है।दरअसल शायर शेर कहते हुए अपने अनुभवों का निचोड़ रखता है इसलिए उसे समझने के लिए उसके रचनाकाल व तात्कालिक परिस्थितियों पर नज़र रखना चाहिए। ग़ालिब की शायरी उनकी शायरी की तमाम ऊंचाईयां और उसके साथ-साथ आम आदमी के रूप में उनके अच्छे-बुरे खट्टे-मीठे कडवे अनुभवों को अगली पीढ़ी के साथ साझा विरासत के रूप में सौंपने की एक बड़ी कोशिश भी है और यही ग़ालिब की शायरी की महानता की एक बड़ी और बहुत ऊंची मंज़िल भी है। इसमें ग़ालिब एक आम आदमी भी है शायर भी है फिलोस्फर भी है ऊंचे रसूख और ऊंचे खानदान का वारिस भी है लेकिन हर जगह ज़िन्दगी के हर मुक़ाम पर आम आदमी होने की पीड़ा हावी बनी रही। आखिर में उसके हाथ में क्या आया सिवाय इस शेर के-

बेखुदी बेसबब नहीं ग़ालिब
कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

ये शेर मुझे लगता है कि जीवन से जुड़े हुए तमाम अंतर विरोधों को जीते हुए ग़ालिब की छटपटाहट का ऐसा नतीज़ा है जिसकी रोशनी में उसकी पूरी ज़िन्दगी बहुत दूर तक साफ-साफ दिखाई देने लगती है।

ग़ालिब मेरे महबूब शायर हैं। शायद इसलिए कि मेरी ज़िन्दगी भी उन्हीं रास्तों से गुजरी जिनके तल्ख़ अनुभव उन्हें क़दम-क़दम पर हुए। इसलिए मैं उन्हें समझने की कोशिश में खुद को उनकी शायरी और मिज़ाज के अनुकूल पाता हूं। हो सकता है मैं उन्हें या उनकी शायरी को समझने में चूक कर जाऊं। मेरी समझ मेरे साथ है आपकी आपके साथ।

लव यू मुन्नू! बहुत याद आ रही है

संस्मरण लेख

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक एवं स्तम्भकार हैं।

प्रिय मुन्नू! यह पत्र मैं महाकुंभ प्रयागराज से लिख रहा हूं। मुझे नहीं पता कि तुम समझ रहे होंगे या नहीं कि मैं इस समय प्रयागराज महाकुंभ में कल्पवास कर रहा हूं। कल माघ पूर्णिमा का चंद्र नील गगन पर अपनी रजत ज्योत्स्ना से आलोकित हो लोक पर नेह की मधुर अमृत वर्षा कर रहा था। पौष पूर्णिमा से आरम्भ हुआ कल्पवास कल पूर्ण हुआ। कल्पवासी अपने घरों के लिए प्रस्थान हेतु आतुर-व्याकुल हैं। पर मेला क्षेत्र की सड़कों और अपने गंतव्य तक पहुंचने के मार्गों पर वाहनों की लम्बी कतारें लगी हैं, पैदल तीर्थयात्री सिरों पर पोटली और बोरियां लादे, कंधों पर बैग लटकाए संगम की ओर बढ़े जा रहे हैं। दस-पंद्रह किमी से पैदल चल रहे ये तीर्थयात्री तन से थके अवश्य हैं पर मन में मां गंगा के दर्शन-स्नान और पुण्यार्जन की आकांक्षा एवं उत्साह उन्हें अलौकिक अपरिमित ऊर्जा से पूर्ण किए हुए हैं। मुन्नू, मुझे तुम्हारी बहुत याद आ रही है। सड़कों का बोझ कुछ कम हो जाने के बाद मैं 14 फरवरी की सुबह निकलूंगा, उसी शाम तुमसे भेंट होगी। तुमसे मिलने की उत्कंठा बढ़ती जा रही है। अतर्रा पहुंचने पर तुम्हारी पसंद की रसमलाई, मिल्क केक और समोसे जरूर लूंगा। तुमसे गले मिलकर बहुत खुशी होगी। फिलहाल, ढेर सारा प्यार-दुलार।

जब 11 जनवरी को कल्पवास के लिए मैं और पत्नी वंदना जी निकल रहे थे, घर के सामने खड़े लोडर पर सारा सामान रखा जा रहा था तो तुमने देखा था पर समझ नहीं पाए कि हम लोग कहीं जा रहे हैं और वो भी एक महीने के लिए। उस समय हम सभी चिंतित थे कि जाते समय तुम्हें कौन संभालेगा। तुम प्रेम में बंधे हमारे वाहन के पीछे-पीछे दौड़ते कहीं मेन रोड तक न पहुंच जाओ। अभी तुम छोटे हो तो सभी ध्यान रखते हैं कि तुम फर्राटा भरते वाहनों की भीड़ वाली सड़क पर न पहुंच पाओ, हालांकि मुझे मालूम है कि पहले ही तुम दो-तीन बार मेन रोड का चक्कर काट आये हो। संयोग से, तुम ऐन वक्त पर कहीं चले गये और हम निकल आये। बाद में संस्कृति दीदी ने बताया कि हमें घर पर न पाकर तुम इस कमरे से उस कमरे, बारामदे से आंगन तक और ऊपर की दोनों छतों तक बार-बार खोजते रहे।

हमें न पाकर तुम बहुत निराश-उदास हो गये थे। उस दिन तुमने भोजन भी नहीं किया। रह-रहकर तुम हमें ढूंढते और संस्कृति दीदी के पास जाकर पूछते कि हम लोग कहां है। दीदी ने तुम्हें बताया भी, पर तुम समझ नहीं सकते न इसलिए समझ नहीं पाए। हम दोनों प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचकर बेनीमाधौ पंडा जी के बाड़े में अपने तम्बू में व्यवस्थित हुए पर हमारा मन बार-बार तुम तक दौड़ जाता। काश! मन की आंखें होतीं तो तुम्हें देख छाती जुड़ाती पर मन नयन कहां से लाए। अगली सुबह संस्कृति दीदी ने बताया कि रात में तुमने बहुत परेशान किया था। अपने बिस्तर पर भी नहीं सोये। अंदर बेडरूम में सोने चले गये और संस्कृति ने तुम्हें कम्बल ओढ़ाकर सुला दिया पर रात भर जागते रहे, अपना कम्बल गिरा देते रहे और दीदी बार-बार कम्बल ओढ़ाती रहीं। तुम्हारी शैतानी के कारण नानी को नींद नहीं आई। और हां, तुमने आलमारियों में रखा सामान गिरा दिया, काट डाला। तुमने ऐसा क्यों किया था मुन्नू। हम नहीं जानते, यह तुम्हारा गुस्सा था या तुमसे बिना बताये-मिले हमारे चले आने से उपजा आक्रोश।

मुन्नू, क्या तुम्हें याद है? वह शुरुआती गर्मियों के अप्रैल की तेज दुपहर थी जब तुम घर आये थे। तुम बिलकुल छोटे से कमजोर मरियल और मिट्टी-रेत से सने थे। पूरी देह में खुजली से बाल भी थोड़े ही बचे थे। पर तुम बहुत प्यारे और मासूम लग रहे थे। तुम्हारे चेहरे पर एक बच्चे सा निर्दोष सौंदर्य और भोलापन खिला हुआ था। प्रसून भैया ने तुम्हें अच्छे से नहलाया-खिलाया और दूध पिलाया था। पूरा परिवार तुम्हें पाकर खुश था। मैं जब शाम को विद्यालय से घर पहुंचा तो संस्कृति दीदी ने चहकते हुए बताया कि घर में नया मेहमान आया है। पर तुमसे मिलकर मुझे कोई खास खुशी नहीं हुई थी, मैं नहीं चाहता था कि तुम घर पर रहो। लेकिन बच्चों की चाह और तुम्हारे भोलेपन के कारण कुछ कह नहीं सका। अगले दिन प्रसून भैया तुम्हें लेकर अस्पताल गये, खुजली से मुक्ति का इंजेक्शन लगवाया।? उस दिन शाम को तुम्हें बहुत चक्कर आ रहे थे। तुम्हारे पैर देह का भार तक उठा नहीं पा रहे थे, तुम बार-बार गिर जा रहे थे और रात को तो बुखार से तुम्हारी देह का ताप बहुत बढ़ गया। उस दिन तुम बामुश्किल दो-तीन घूंट दूध ही पिए थे। हम सभी बहुत चिंतित हो गये थे। तब प्रसून भैया बाईक से भागकर गये और पता नहीं कहां से एक पैरासिटामोल का सीरप लेकर आये। तुम्हें दो ढक्कन दवा पिलाकर भींगी रूमाल से तुम्हारा शरीर

पोंछते रहे। न चाहते हुए मैं भी बच्चों के साथ तुम्हारे पास बैठा जाग रहा था। तुम्हारे लिए मेरे हृदय में प्रेम के अंकुर उगने लगे थे, तुम अबोध शिशु गोद में दुबके थे। खैर, बुखार उतरा तो चैन पड़ा। अगले कुछ दिनों में तुम्हारी खुजली ठीक हो गयी, बाल उग आये। दूध-ब्रेड, रोटी खाते तुम स्वस्थ हो मोटे-ताजे हो गये। अब तुम छत की सीढिया चढ़ने लगे थे। बाहर सीढ़ियों से लगे बारामदे में तख्त पर बिछे गद्दे के ऊपर आसन जमा लिया था। वहीं सोते और सीढ़ियों से ऊपर छत तक घूम आते। तुम हम सभी के लिए खिलौना हो गये। तुम बड़े हो रहे थे और अब घर के बाहर सैर करने लगे। और एक दिन, वह घटना याद है तुम्हें, पर तुम्हें कहां याद होगा। हुआ यह था कि तुम सुबह नाश्ता करके बाहर निकले थे। प्राय: 15-20 मिनट में वापस घर आ जाते थे पर उस दिन लगभग दुपहर तक घर नहीं आये।

हम सभी की चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। मैं, प्रसून और विभु भैया तथा संस्कृति दीदी तुम्हें खोजने निकले थे। पड़ोस की हर गली से मेन सड़क तक, गौराबाबा मंदिर से केन कैनाल सड़क तक, सामने हिंदू इंटर कालेज के मैदान तक, कहां-कहां नहीं खोजा पर तुम नहीं मिले। थक कर घर वापस आ गये। तुम्हारे बिछुड़ने से हम सब रो रहे थे। तब विभु भैया फिर से छत पर खोजने गये तो तुम पड़ोस के मकान के बाहरी छज्जे पर आराम करते मिले। विभु ने आवाज दी तो तुमने भी आवाज दी। तुम्हें पाकर लगा था कि जैसे कोई कोई अमूल्य निधि मिल गई हो। गर्मियों की शाम आइसक्रीम वाले ठेले को गली में आते ही तुम आईसक्रीम खाने को मचल पड़ते। ठेले के चक्कर लगाते और आईसक्रीम मिलते ही खुश हो जाते।

मैं स्वयं में हंसता हूं कि इतनी आईसक्रीम तो प्रसून, विभु और संस्कृति ने भी बचपन में नहीं खाई होगी, जितनी तुमने चट कर डाली है। और हां, तुम अभी भी दीदी या मेरे हाथ से ही दूध-रोटी खाते हो, बिलकुल छोटे बच्चे की तरह। मुन्नू, इस पत्र की चौहद्दी की सीमा है किंतु तुम्हारी स्मृतियों की परिधि पर कितनी खट्टी-मीठी यादों की मुस्कुराहट खिली हुई है। मन करता है कि स्मृति के प्रत्येक पुष्प का चित्र इस पत्र में उकेर दूं, पर चाह कर भी ऐसा नहीं कर पा रहा। सो शेष बातें दूसरे पत्र में लिखूंगा ही। और फिर अब तो भेंट होगी ही न, तो तब ढेर सारी बातें करेंगे, खेले-कूदेंगे। तुम्हारे लिए कुछ और चीजें लानी हों तो संस्कृति दीदी से बोला देना। वह मुझे फोन कर देगी। सुनो, अब दीदी को परेशान नहीं करना। पिता जी और तुम्हारे स्नान के लिए गंगाजल लेकर आएंगे। प्यारे मुन्नू! हमेशा खुश रहना। तुम हमारे लिए एक कुत्ता नहीं परिवार के एक सदस्य ही हो जैसे प्रसून, विभु और संस्कृति।

क्या मप्र में सिनेमा को बढ़ावा देगी नई फ़िल्म पर्यटन नीति?

सिने सृजन

विनोद नागर

वरिष्ठ फ़िल्म समीक्षक

मध्य प्रदेश सरकार ने सिनेमा और पर्यटन को एक दूजे का पूरक मानते हुए अपनी मौजूदा फ़िल्म पर्यटन नीति को नये सिरे से परिभाषित करने की कवायद की है। प्रदेश को फिल्म पर्यटन अनुकूल राज्य बनाने के उद्देश्य से इस परिष्कृत 'फिल्म पर्यटन नीति-2025' को मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मंजूरी दी गई।

कहा जा रहा है कि परिमार्जित नीति से राज्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। स्थानीय प्रतिभाओं और फ़िल्म निर्माताओं को इसका समुचित लाभ मिले, इसका ध्यान भी नई नीति में रखा गया है। खास तौर पर मालवी, निमाड़ी, बुंदेलखंडी और बघेलखंडी जैसी आंचलिक बोलियों सहित गोंडी, भीली और कोरकू जैसी स्थानीय जनजातीय बोलियों में फ़िल्म निर्माण को बढ़ावा देने की सार्थक पहल पहली बार की गई है।

अब यह स्थानीय फ़िल्मकारों पर निर्भर करेगा कि वे नये प्रावधानों का लाभ उठाने के लिये आगे आएँ। क्योंकि इस श्रेणी में फ़िल्म निर्माण केलिये कुल लागत के 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा नारी केन्द्रित फ़िल्मों और बच्चों के लिये बनाई जाने वाली बाल फ़िल्मों को प्रोत्साहित करने के लिये भी आवश्यक वित्तीय अनुदान स्थानीय फ़िल्म निर्माताओं को प्राथमिकता के आधार पर मिल सकेगा।

हालाँकि नई नीति में मराठी, बंगाली सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में फ़िल्म निर्माण को बढ़ावा देने की नीति पर अमल करते हुए भी आवश्यक प्रावधान किये गये हैं। साथ ही ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों/व्यक्तित्वों पर आधारित फीचर फिल्मों/शॉर्ट फिल्मों के निर्माताओं को भी इन रियायतों का फ़ायदा मिलेगा।

नई नीति में पहली बार राज्य में नये एकल सिनेमाघरों के निर्माण और मौजूदा सिनेमाघरों के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता देने की पेशकश वाक़ई स्वागतयोग्य है। इसके अलावा स्थानीय फ़िल्म निर्माताओं की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की हौसला अफ़ज़ाई के लिए पीठ थपथपाने के उपाय भी किये गये हैं।

गौर तलब है कि मध्य प्रदेश में फ़िल्म शूटिंग की अनुमति देने के लिये सिंगल विण्डो सिस्टम पहले ही लागू किया जा चुका है। इसे पब्लिक सर्विस गारंटी एक्ट के तहत शामिल किया गया है। फिल्म निर्माण संबंधी अधोसंरचना विकास के लिए निवेश को आकर्षित करने के प्रयास भी किये जा रहे हैं।

कुल शूटिंग का दो तिहाई यानि 75 प्रतिशत हिस्सा मध्य प्रदेश में फिल्माये जाने पर फीचर फिल्म श्रेणी में अधिकतम 2 करोड़ रूपये, वेब सीरीज के लिए डेढ़ करोड़ रूपये, टीवी-शो/सीरियल्स के लिए 1 करोड़ रूपये तथा डॉक्युमेंट्री के लिए 40 लाख रूपये के अनुदान की व्यवस्था की गई है।अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए यह अनुदान राशि अधिकतम 1.3

मिलियन अमेरिकी डॉलर (भारतीय मुद्रा में 10 करोड़ रूपये तक) और शॉर्ट फिल्मों के लिए 15 लाख रुपये तक हो सकती है।

इसमें कोई शक नहीं कि विगत कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश देश में फिल्म शूटिंग का हब बनकर उभरा है। साढ़े तीन सौ से अधिक फिल्मों, टीवी सीरियल और वेब सीरीज की शूटिंग राज्य के विभिन्न भागों में हुई है। मध्य प्रदेश में शूटिंग करने का लाभ दस हिन्दी फीचर फ़िल्मों, एक तेलुगू फ़िल्म और चार वेब सीरीज को कुल 21 करोड़ रूपये के वित्तीय अनुदान के रूप में मिल चुका है। इन्हीं तमाम उपलब्धियों के चलते मध्य प्रदेश को 2022 में 'मोस्ट फिल्म-फ्रेंडली स्टेट' का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

हाल के वर्षों में भूल भुलैया-3 फुकरे-3 धड़क-2 स्त्री-2 डंकी, लापता लेडीज, लव की अरेंज मैरेज, सेल्फी, पोन्नियिन सेल्वन, औरों में कहाँ दम था, पटना शुक्ला, जरा हटके जरा बचके जैसी फ़िल्में और गुल्लक, पंचायत, कोटा फैक्ट्री, सिक्सर, सिटाडेल (हनी बन्नी), द रेलवे मेन जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज मध्य प्रदेश में फिल्माई गई हैं।अनुमान है कि सात सौ करोड़ रूपये की लागत वाली इन फिल्मों/वेब सीरीज का फिल्मांकन राज्य में होने से एक से डेढ़ लाख मानव दिवसों का अस्थायी रोजगार सृजन भी हुआ है।

उम्मीद की जानी चाहिये कि नये साल में आई नई फ़िल्म पर्यटन नीति से राज्य के फ़िल्म निर्माताओं खासकर युवा फ़िल्मकारों को इसका यथोचित लाभ अवश्य मिलेगा। मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फ़िल्म निर्माण के जरिये की एक नई पहचान दिलाने का भी यह एक सुनहरा मौक़ा सिद्ध हो सकता है।

अस्सी के दशक में मध्य प्रदेश फ़िल्म विकास निगम की फ़िल्म पत्रिका 'पटकथा' के अनेक संग्रहणीय अंक निकालने वाले प्रबुद्ध संपादक श्री राम तिवारी (जो इन दिनों मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार भी हैं) मानते हैं कि यह नई नीति राज्य के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक वैभव और लोक परम्पराओं को सिनेमा के जरिये दुनिया भर में पहुँचाने में अहम् भूमिका निभाएगी।

जिला स्तरीय मेले में 97 आवेदकों को मिला रोजगार

विधायक और कलेक्टर ने युवा संगम रोजगार मेले का किया निरीक्षण

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बैतूल के तत्वावधान में युवा संगम के तहत शुक्रवार को भारत-भारती प्राइवेट आईटीआई जामठी में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल और कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी नियोक्तागण से स्टाल टू स्टाल सम्पर्क कर नियुक्ति प्रक्रिया, वेतन, नियुक्ति संख्या की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की तथा रोजगार विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान आईटीआई में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट का भी अवलोकन किया। रोजगार मेले में चयनित युवाओं को बधाई दी तथा उन्हें मन लगाकर कार्य किए जाने उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले से युवाओं को रोजगार का महत्वपूर्ण मंच मिलता है। जहां युवा अपनी क्षमता के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। विधायक ने युवाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कौशल विकास पर ध्यान देने की सलाह दी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 256 आवेदकों ने अपना पंजीयन किया था। मेले में मौजूद 12 कंपनियों के द्वारा 97 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर लेटर आफ इंटेंट प्रदान किए गए। इस अवसर पर एसडीएम श्री राजीव कहार, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री रोहित डाबर, सहायक प्रबंधक उद्योग श्री धीरज मंडलेकर, प्राचार्य आईटीआई श्री केशव सातपुते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके आज ग्रामीण होमस्टे का करेंगे उद्घाटन

बैतूल। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की जनजातीय पर्यटन योजना के अंतर्गत घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम बांचा और बज्जर वाड़ा में निर्मित ग्रामीण होम स्टे का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उईके के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। जानकारी के अनुसार ग्राम बांचा में 12 बजे तथा बज्जर वाड़ा में दोपहर 1 बजे से आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उइके मौजूद रहेगी।

अवकाश दिवसों में पंजीयन कार्यालय खोले जाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अवकाश दिवसों में भी पंजीयन कार्यालय खोले जाने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार फरवरी एवं मार्च माह शासन के राजस्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जनसामान्य को दस्तावेजों के पंजीयन की सुविधा देने के लिये एवं शासन के राजस्व को दृष्टिगत रखते हुए माह फरवरी में शनिवार अवकाश दिवस यथा 15 फरवरी एवं 22 फरवरी 2025 को जिला मुख्यालय पर स्थित समस्त जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक कार्यालय शासकीय कार्य के लिए खुले रहेंगे।

जंगल में मिली महिला की लाश, हत्या की आशंका

चिचोली के आमा पठार में हाथ-पैर बंधा मिला शव

बैतूल। चिचोली के आमा पठार जंगल में एक 40 वर्षीय महिला यशवंती की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिली है। शव गांव से करीब ढाई किलोमीटर दूर जंगल में मिला, हाथ-पैर बंधे हुए थे और शरीर साड़ी में लिपटा हुआ था। सिर पर कुल्हाड़ी से किए गए वार के गंभीर घाव के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों द्वारा लाश देखे जाने के बाद डायल 100 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची चिचोली पुलिस और एसडीओपी मयंक तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के लिए नर्मदापुरम से एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यशवंती के पहले पति से चार बच्चे हैं और वह वर्तमान में अपने दूसरे पति प्रीतम के साथ रह रही थी। पुलिस को आशंका है कि हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई हो सकती है। घटनास्थल दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में होने के कारण पुलिस टीम को वहां पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या के कारण घटना की विस्तृत जानकारी जुटाने में कठिनाई हो रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

एचएमएस की महत्वपूर्ण बैठक आज

बैतूल। कोल माइन सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ एचएमएस की महत्वपूर्ण बैठक 15 फरवरी को सुबह 11 बजे शहीद भवन बैतूल में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में 14 और 15 फरवरी को दिल्ली में हो रही बैठक के विषय में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, दिल्ली से पीके सिंह राठौर के पत्रानुसार 21, 22 और 23 फरवरी को नई दिल्ली में कोल मंत्रालय के साथ प्रस्तावित बैठक पर भी विशेष चर्चा होगी। कोल पेंशनरों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस बैठक में शामिल होकर इसे सफल बनाएं। बैठक की अध्यक्षता डीके साहू करेंगे, जबकि महामंत्री डीआर झरबडे भी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में उपाध्यक्ष अजय सिंह राजपूत, दिनेश कुमार शर्मा, एनपी मिश्रा, रामदास पंडाग्रे, माणिक राव कापसे, रायमल वरवड़े, कृष्ण उबनारे, तुलसीराम मासोदकर, नागोराव वागद्रे, मानिक प्रसाद वायकर, शिवदयाल चौकीकर, बीआर गव्हाडे और उमराव उबनारे जैसे वरिष्ठ सदस्य भाग लेंगे। बैठक में पेंशनरों के मुद्दों और नई दिल्ली में होने वाली मीटिंग की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

कचरे में रोज निकल रही प्रति टन में 20- 25 किलो पॉलीथिन

प्रतिबंध के बावजूद दुकानों से लेकर हर हाथ में दिख रही सिंगल यूज पॉलीथिन

बैतूल। सिंगल यूज पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध है। सरकार ने पॉलीथिन के उपयोग को प्रतिबंधित करते हुए नोटिफिकेशन भी जारी किया था। साथ ही नगरपालिकाओं को निर्देश दिये गये थे कि वह अभियान चलाकर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें, लेकिन यह अभियान शुरुआती दौर से धीमा रहा। नगरपालिका के अधिकारियों ने कार्रवाई के लिए योजना बनाए जाने का दावा तो किया, परंतु पॉलीथिन की रोकथाम के लिए नगररपालिका के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। इधर हालात यह है कि न तो दुकानदार पॉलिथीन का मोह छोड़ पा रहे हैं और न ही शहरवासी। इसी वजह से आज भी दुकानों से लेकर हर हाथ में पॉलिथीन के बैग नजर आ रहे हैं। नपा प्रशासन की ओर से दुकानदारों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। नतीजन शहर में सब्जी बाजार से लेकर नाश्ते, मिठाई, दूध-डेयरी, जनरल स्टोर, किराना स्टोर, कपड़े की दुकान आदि में पॉलीथिन का उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। यही वजह है कि शहर में कचरे के ढेर में सबसे ज्यादा पॉलीथिन निकलती है, जो जन स्वास्थ्य के साथ-साथ पशुधन के लिए हानिकारक है।

अभी भी धड़ल्ले से हो रहा पॉलीथिन का उपयोग - शहर में सिंगल यूज पॉलीथिन थैलियों का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है। आम दिन हो या फिर साप्ताहिक बाजार अधिकांश लोगों के हाथो में पालीथिन की थैलिया आसानी से नजर आ जायेगी। जिसके पीछे एक कारण यह भी है कि पॉलिथीन का उपयोग करने वाले दुकानदारों पर नगरपालिका प्रशासन शिकंजा तक नहीं कस पा रहा है। बाजार में दुकानदारों से लेकर आमजन तक सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे हैं। बाजार में सब्जी एवं फल विक्रेता से लेकर

रेडीमेड कपड़ों की दुकानों पर पॉलिथीन का प्रयोग बेरोकटोक हो रहा है। दुकानदार ग्राहकों को पॉलीथिन में रखकर सामान दे रहे हैं। यह स्थिति तब है जब शासन की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जा चुका है।

प्रति टन में 20-25 किलो पॉलीथिन का कचरा- शहर में 33 वार्ड है। इन वार्डो से नगरपालिका रोजाना कचरा संग्रहित करती है। शहर के सभी वार्डो से प्रति टन में करीब 20-25 किलो पॉलीथिन का कचरा एकत्रित होता है। नपा के अधिकारियों का दावा है कि पॉलीथिन के उपयोग की रोकथाम के लिए दुकानदारों पर चालानी कार्रवाही की जाती है। लेकिन शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के चलन में कोई कमी नहीं आई है। लोग नालियों में भी प्लास्टिक फेंक देते हैं। इससे नालियां जाम हो जाती है और गंदगी सडक़ों पर बहने लगती है। प्लास्टिक खाने से गायों की मौत भी हो रही है। फिर भी दुकानदार से लेकर ग्राहक बेखौफ होकर बाजार में पॉलीथिन लिए घूमते हैं, जो स्वच्छता अभियान व स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी बाधा साबित हो रही है।

नियमों की हो रही अनदेखी

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के तहत जारी नियम के अनुसार पॉलीथिन बैग का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। पॉलीथिन की मोटाई 40 माइक्रान से कम नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद पतली प्लास्टिक का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिनके लिए सजा और जुर्माने का भी प्रॉवधान है। जानकारी के अनुसार अगर कोई व्यक्ति 40 माइक्रान से कम मोटाई व 30 सेमी लंबी और 20 सेमी चौड़ाई से कम का पालीथिन बैग इस्तेमाल कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। कार्रवाई करने का अधिकार नगरपालिका के पास है और नपा पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगा सकती है। किन्तु यह सब फाइलों तक सीमित रह गया है।

पॉलीथिन के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं

अधिकारियों ने पॉलीथिन के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर किसी तरह का विकल्प तैयार नहीं किया गया। यह जरूर है कि कागज और कपड़े के कैरीबैग तैयार करने की योजना जरूर बनी थी, लेकिन यह योजना भी ज्यादा समय तक नहीं ठीक पाई और फिर कागज, कपड़ों के कैरी बैग के स्थान पर पॉलीथिन ने ही बाजार में अपनी जगह बना ली। कारण यह भी रहा कि नपा टीमों ने बाजार में भ्रमण किया और यह बताते रहे कि पालीथिन पर प्रतिबंध लग गया है, इसका उपयोग रोका जाए। न तो किसी व्यापारी पर बड़ी कार्रवाई की गई और न ही उपभोक्ताओं पर ही बड़ा जुर्माना लगाया गया। खानापूर्ति के लिए औपचारिकताएं विभाग पूरी करता रहा। जिसके कारण शहर में पॉलीथिन पूर्ण रूप से बंद नहीं हो सकी।

इनका कहना है -

अभी मैं छुट्टी पर हूं। वापस आने के बाद पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने विशेष अभियान चलाया जायेगा। वैसे नगरपालिका की टीम समय-समय पर अमानक पॉलीथिन को लेकर जुर्माने की कार्रवाई करती है। लोग भी पर्यावरण के प्रति अपनी जिमेदारी समझे और कपड़े या कागज के बैग का उपयोग करें।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल।

बाल विवाह पर आधारित नाटक प्रतियोगिता संपन्न

बैतूल। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत आवाज द्वारा पुलिस विभाग की महिला सुरक्षा शाखा एवं महिला बाल विकास बैतूल के साथ संयुक्त रूप से मानव दुर्व्यापार एवं बाल विवाह रोकथाम विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता मे 8 नुक्कड़ समूह प्रतिभागी रहे। जिसमे से नवचंद्र समूह ने प्रथम, कोशिश समूह ने द्वितीय एवं जेजी यूएस समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया हैं। जिन्हे क्रमशः 5000, 3000 एवं 1000 राशि और सभी

समूहों को शील्ड एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विजेता समूहों कि पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी, जिला समन्वयक आवाज भूपेंद्र लोखंडे ने सराहना की। पुलिस अधीक्षक द्वारा मानव दुर्व्यापार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणाम को बताया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी द्वारा इन दोनों अपराधों पर अपनी बात रखी एवं कहा कि ऐसे अपराधों एवं कुरीतियों कि जानकारी पुलिस को तुरंत देना चाहिए। भूपेन्द्र लोखंडे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पुलिस विभाग एवं महिला बाल विकास का विशेष सहयोग रहा हैं।

मातृ-पितृ पूजन दिवस हमारी जड़ों और संस्कारों से जोड़ता है : खंडेलवाल

भारत-भारती विद्यालय में बच्चों ने किया माता-पिता का पूजन, छलके भावनाओं के आंसू

बैतूल। श्री योग वेदांत सेवा समिति बैतूल द्वारा भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत भारती आवासीय विद्यालय सहित जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और घरों में मनाया गया। भारत भारती विद्यालय में शुक्रवार सुबह 9 बजे आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और प्रांत सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में राजीव रंजन झा और समिति के संरक्षक राजेश मदान शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र परसाई ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विधिवत पूजन की प्रक्रिया शुरू हुई। समिति के संरक्षक राजेश मदान और राजीव रंजन झा ने मुख्य अतिथि हेमंत खंडेलवाल और अन्य अतिथियों का शॉल, श्रीफल और साहित्य देकर स्वागत किया। इस दौरान राजेश मदान ने बताया कि बापू की प्रेरणा से यह आयोजन पिछले कई वर्षों से जिले में हो रहा है।

बच्चों ने माता-पिता का तिलक, पूजन, आरती और परिक्रमा कर लिया आशीर्वाद

इस भावुक आयोजन में प्राथमिक कक्षा के बच्चों ने अपने माता-पिता का तिलक, पूजन, आरती और परिक्रमा कर आशीर्वाद लिया। बच्चों और माता-पिता के बीच का यह स्नेहपूर्ण पल इतना भावुक था कि कई की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को मिठाई और सत्साहित्य वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य अजय भारती ने किया और आभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य वैभव जोशी ने किया। इस आयोजन में सैकड़ों विद्यार्थी, अभिभावक और विद्यालय के आचार्यगण उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में श्री योग वेदांत सेवा समिति के रविकांत आर्य, मोहन मदान, रोहित मिश्रा सहित विद्यालय के समस्त आचार्यगण का योगदान सराहनीय रहा।

माता-पिता और गुरु के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता

मुख्य अतिथि विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस एक ऐसा भावुक आयोजन है, जो हमें हमारी जड़ों और संस्कारों से जोड़ता है। माता-पिता और गुरु के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें बुजुर्गों और माता-पिता के सम्मान की शिक्षा देती है। प्रांत सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। राजीव रंजन झा ने कहा कि वेलेंटाइन डे जैसी पाश्चात्य संस्कृति से बचकर हमें अपनी परंपरा और संस्कारों को आगे बढ़ाना चाहिए।

गैर कानूनी तरीके से बनाए जा रहे हैं बीपीएल कार्ड पर लगाई जाए रोक

बैतूल। अटल सेना बैतूल के द्वारा जिला प्रशासन को गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे बीपीएल कार्ड पर रोक लगाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संगठन के प्रांत अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केंडू बाबा) ने आरोप लगाया कि नगर पालिका बैतूल के क्षेत्र में गैरकानूनी तरीके से फर्जी बीपीएल कार्ड बनाने का धंधा जोरो पर खुलेआम चल रहा है। जिसमें एपीएल कार्डधारकों की समग्र आईडी को बीपीएल से सत्यापित कर फर्जी बीपीएल क्रमांक दर्ज कर फुड कूपन के लिए नगर पालिका या खाद्य विभाग में लगाया जा रहा है। 45 दिनों में ही कूपन

जारी हो जाता है। केंडू बाबा ने आरोप लगाया कि जबकि नागरिक आपूर्ति निगम बैतूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सन् 2022 से दिसम्बर 2024 तक 287 बीपीएल कार्ड के कूपन जारी हुए हैं। अनुविभागीय कार्यालय बैतूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सन् 2022 से दिसम्बर 2024 तक नगर पालिका बैतूल को 24 बीपीएल कार्ड बनाने के आदेश जारी किए गए थे। संगठन ने मांग की है कि गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे बीपीएल कार्ड पर रोक लगाई जाए और जो इस दौरान कार्ड बने हैं उन्हें निरस्त किया जाए एवं इससे लिप्त लोगों पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर बैतूल में निकलेगी विशाल शोभायात्रा

बैतूल। क्षत्रिय लोणारी कुन्बी समाज संगठन के तत्वाधान में 19 फरवरी को शिवाजी जयंती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम हर साल की तरह इस बार भी विशाल स्तर पर आयोजित होगा। समाज के सभी वर्गों को इस आयोजन में बढ़-चढक़र भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत जिला अस्पताल बैतूल में सुबह 8 बजे अंकुरित आहार से होगी। इसके बाद सुबह 9 बजे छत्रपति शिवाजी सांस्कृतिक भवन से शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो छत्रपति शिवाजी चौक कोठीबाजार पहुंचेगी। वहां प्रतिमा पर माल्यार्पण 11.30 बजे किया जाएगा। मंचीय कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी ऑडिटोरियम में 11:30 बजे से शुरू होगा। शाम 7 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन भी इसी स्थान पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन लोणारी कुन्बी सेवा संगठन, महिला संगठन, नारी उत्थान समिति, पूर्व सैनिक समिति, जिला सलाहकार समिति, विधिक सहायता प्रकोष्ठ, बडोरा, आमला, मुलताई, भैंसदेही, चिचोली, घोड़ाडोंगरी, सारणी, प्रभात पट्टन, आठनेर और भीमपुर की विभिन्न इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

जिले में 8 मार्च को नेशनल लोक अदालत का होगा आयोजन

नेशनल लोक अदालत की तैयारी के लिए न्यायाधीशों की बैठक आयोजित

बैतूल। 8 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित एवं राजीनामा योग्य अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत शिव बालक साहू की अध्यक्षता में जिले के समस्त न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष न्यायाधीश श्रीमती दिव्यांगना जोशी पांडे, जिला न्यायाधीश हेमंत कुमार यादव, डॉ.महजबीन खान एवं सीजेएम श्रीमती संगीता भारती राठौर तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सोमनाथ राय एवं सिविल न्यायालय आमला, भैंसदेही एवं मुलताई के न्यायाधीशगणों से व्हीसी के माध्यम से चर्चा की गई। प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत द्वारा मीटिंग में मुख्य रूप से चेक बाउंस एवं आपराधिक व राजीनामा योग्य अन्य प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर प्रीसिटिंग बैठक आयोजित कर निराकरण कराने के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि कई प्राइवेट कंपनियों के चेक बाउंस प्रकरण ज्यादा संख्या में होते है, जिनके कारण चेक

राशि बकाया रहती है और उक्त राशि संबंधित कंपनी व संस्था अपने व्यवसाय में उपयोग भी नहीं कर पाती जिसके कारण उन्हें नुकसान होते रहता है, यदि ऐसी कंपनी व संस्था के प्रमुख से चर्चा कर उन्हें चेक राशि में छूट के लिये प्रेरित किया जाये तो ऐसी स्थिति में प्रकरणों में राजीनामा की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिये समस्त न्यायिक अधिकारियों को प्रकरण के पक्षकारों से चर्चा कर उन्हें राजीनामा के लिये प्रेरित करने की आवश्यकता है।

नेशनल लोक अदालत के लिए प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 8 मार्च को जिला मुख्यालय बैतूल एवं तहसील अंतर्गत सिविल न्यायालय मुलताई, भैंसदेही, आमला में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने तथा लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिले के समस्त न्यायाधीश एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर नियंत्रण तथा समन्वय स्थापित करने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल दिनेश चंद्र थपलियाल द्वारा शिव बालक साहू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बैतूल को वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत नियुक्त किया गया है।

उद्योग फ्रेंडली नीतियों और नवाचार से मिलेगा निवेश को विस्तार: मुख्यमंत्री

म.प्र. बनेगा नया इंडस्ट्रीयल हब

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश औद्योगिक निवेश और रणनीतिक नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस बार की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट न सिर्फ अपनी भव्यता बल्कि गहरे रणनीतिक बदलावों और नए औद्योगिक विज़न से भी चर्चा में है। भोपाल, जो अब तक प्रशासनिक और सांस्कृतिक रूप से पहचाना जाता था, अब निवेश और व्यापार का नया ग्लोबल पॉइंट ऑफ इंटरेस्ट बनने जा रहा है। झीलों की नगरी भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होने जा रही है। भोपाल का आकर्षण और राज्य सरकार की सहज एवं पारदर्शी उद्योग फ्रेंडली नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं।

नवाचारों का केन्द्र बनेगा जीआईएस

इस वर्ष के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को 'पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल दिया गया है। पहली बार, सरकार 20 से अधिक नीतियों को एकसाथ प्रस्तुत कर रही है, जिससे निवेशकों को हर सेक्टर के लिए स्पष्ट रणनीति और अवसर मिलेंगे। अब इन्वेस्टर्स को केवल संभावनाएँ नहीं, बल्कि सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट का भरोसा मिलेगा।

इस बार का जीआईएस पारंपरिक कॉन्फ्रेंस से आगे बढ़कर 'फोकस्ड इन्वेस्टमेंट डिस्कशन' का मंच बनने जा रहा है। यानी, आईटी, टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ईवी, अक्षय ऊर्जा जैसे हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे, जहां इंडस्ट्री लीडर्स और सरकार के बीच प्रत्यक्ष संवाद और सेक्टर-केंद्रित समझौते होंगे। समिट में पहली बार 'इंडस्ट्रियल एक्सपो' और 'मेक

इन एमपी' का संयोजन किया गया है, जहां प्रदेश की औद्योगिक ताकत, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी स्थिति को प्रस्तुत किया जाएगा।

जीरो अपशिष्ट समिट

जीआईएस-2025 को 'जीरो अपशिष्ट' समिट बनाने की रणनीति तैयार हो चुकी है। समिट स्थल पर केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग होगा, आयोजन स्थल 100 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से संचालित होगा और पूरे समिट में पेपरलेस ऑपरेशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड इंटरेक्शन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का समावेश होगा।

औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान

भोपाल को पहली बार औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान मिलने जा रही है। यह आयोजन प्रदेश की नई इंडस्ट्रियल जर्नी की आधारशिला साबित होगा। समिट न केवल बड़े निवेशकों के लिए बल्कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज और स्टार्टअप्स के लिए भी एक बड़ा अवसर लेकर आ रही है। प्रदेश के स्थानीय उद्यमों को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी साझेदारों के साथ जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे इनका विस्तार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक होगा।

राजधानी के चारों ओर फैले औद्योगिक क्षेत्रों-मंडीदीप, गोविंदपुरा, बागरोदा, पिलुखेड़ी और अन्य औद्योगिक हब को इस समिट से नए निवेश, नई टेक्नोलॉजी और ग्लोबल टाई-अप्स का फायदा मिलेगा। जीआईएस-2025 केवल निवेश ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के अवसर देने वाला मंच भी साबित होगा। इस समिट में आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर पैदा करने वाले एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे।

औद्योगिक क्रांति का केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अब केवल 'संभावनाओं का प्रदेश' नहीं, बल्कि 'औद्योगिक क्रांति का अगला केंद्र' बन चुका है। जीआईएस 2025 के मंच से प्रदेश की आर्थिक शक्ति, नीति-संवर्धित औद्योगिक मॉडल और वैश्विक निवेश के प्रति प्रतिबद्धता पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी।भोपाल अब सिर्फ मध्यप्रदेश की राजधानी नहीं, बल्कि भारत के नए औद्योगिक भविष्य का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है। जीआईएस-2025 इसी परिवर्तन की मजबूत नींव रखने जा रहा है।

ग्वालियर में खनन माफिया का एसडीएम टीम पर हमला

गनमैन से धक्का-मुक्की कर गिट्टी से भरी ट्रॉली ले भागे 3 आरोपियों पर केस

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में अवैध खनन माफिया की दबंगई का मामला सामने आया है। गुरुवार शाम करीब 5 बजे एसडीएम सूर्यकांत त्रिपाठी की टीम ने बिना रॉयल्टी गिट्टी ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान माफिया ने न केवल एसडीएम के गनमैन के साथ धक्का-मुक्की की, बल्कि अपने साथियों की मदद से गिट्टी से भरी ट्रॉली लेकर फरार हो गए।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी एसडीएम के गनमैन के साथ अभद्रता करते नजर आ रहे हैं। बाद में आरोपियों ने डबका गांव में जाकर ट्रॉली खाली कर दी। मामले में हस्तिनापुर पुलिस ने भोगीपुरा निवासी कल्ली सिंह गुर्जर, एदल सिंह गुर्जर और डबका निवासी हरी सिंह के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने व खनिज अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है।

हरी सिंह ने अपनी बोलेरो से ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक को भागने में मदद की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर रुचिका चौहान ने कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अपराधियों को राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर किया जाएगा। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दतिया में फायरिंग रेंज में नाबालिग के हाथ में फटा आर्मी का बम, मौत

दतिया (नप्र)। दतिया में एक किशोर के हाथ में हैंड ग्रेनेड फटने से उसकी मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शुक्रवार को बसई थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव स्थित आर्मी की फायरिंग रेंज की है। ये तीनों ही वहां पर तांबा, पीतल और लोहा आदि बीनने गए थे। तभी गंगाराम नाम के किशोर को वहां जवानों की फायरिंग के दौरान बिना ब्लास्ट हुए रह गया हैंड ग्रेनेड मिला। जब उसने उसे खोलने की कोशिश की तो उसके हाथ में ही फट गया। इस हादसे में गंगाराम (उम्र 17 वर्ष) पिता डालू आदिवासी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रामू (उम्र 23 वर्ष) पिता घनश्याम आदिवासी और मनोज (उम्र 16 वर्ष) पिता फेरन आदिवासी घायल हो गए।

दोनों घायलों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया-ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही दोनों घायलों को इलाज के लिए यूपी के झांसी के मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

विद्यार्थी विश्वास और सकारात्मक भाव से परीक्षा में हो शामिल: मुख्यमंत्री

विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए दीं शुभकामनाएं

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थी स्वयं में विश्वास रखते हुए सकारात्मक भाव से परीक्षा में शामिल हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल से आरंभ हो रहीं, सीबीएसई की कक्षा दसवीं की परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी परीक्षाओं को सामान्य गतिविधि के भाव से लें, परीक्षाओं का अनावश्यक तनाव न रखें, मन पर भार रखने से परिणाम अनुकूल नहीं आते हैं। विद्यार्थी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आनंद के साथ परीक्षा देने के मार्ग का अनुसरण करें, अपनी क्षमता, योग्यता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें। यह भाव न रखें कि यह परीक्षा ही अंतिम है, ऐसे कई प्रसंग हैं जहां परीक्षाओं में असफल होने वालों ने जीवन के अन्य क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां अर्जित कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के लिए मीडिया के माध्यम से जारी संदेश में यह बात कही।

शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए और प्रसव पूर्व जांच के माध्यम से हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की समय पर पहचान हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध रूप से सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता

जरूरी है। जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार लाया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण के लिये सेवा प्रदाय एवं भर्ती प्रक्रिया की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आधुनिक चिकित्सा अधोसंरचना, अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य विभाग में मानव संसाधन की वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती चल रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए, जिससे चिकित्सा सुविधाओं का लाभ तेजी से आमजन तक पहुंचे।बैठक में बताया गया कि प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों में भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। चिकित्सकीय श्रेणी में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 3,689 पदों पर भर्ती की जा रही है। नर्सिंग श्रेणी में 5,762 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। पैरामेडिकल एवं तकनीकी स्टाफ के तहत 454 लैब टेक्नीशियन, 114 रेडियोग्राफर, 21 फिजियोथेरेपिस्ट और 8 काउंसलर के पद कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसके अलावा, 1,744 सीधी भर्ती के अविज्ञप्त पदों की पूर्ति के लिए भी मांग पत्र भेजा गया है। संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री दिनेश श्रीवास्तव, संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल श्री मनोज सरियाम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स के आयुष विभाग में स्वर्ण प्राशन का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के आयुष विभाग द्वारा कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के निर्देशन में आयुर्वेद ओ.पी.डी. में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल की शुरुआत वर्ष 2022 में पुष्य नक्षत्र के अवसर पर हुई थी, और तब से बच्चों के स्वास्थ्य एवं संपूर्ण विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन आयुर्वेद ओपीडी में नियमित रूप से स्वर्ण प्राशन किया जा रहा है। हाल ही में आयोजित इस कार्यक्रम में 1 से 16 वर्ष की आयु के कुल 93 बच्चों ने भाग लिया। इनमें से 63 बच्चे पहले भी स्वर्ण प्राशन करवा चुके थे, जबकि 30 बच्चों ने पहली बार पंजीकरण कराया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रंजना पांडे ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया तथा उनके अभिभावकों को स्वर्ण प्राशन के महत्व और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, स्वर्ण प्राशन संस्कार एक महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक प्रक्रिया है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है। एम्स भोपाल में इस पहल के माध्यम से हम बच्चों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत हैं।

एम्स में मना अंतर्राष्ट्रीय ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी दिवस

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी दिवस मनाया गया। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग द्वारा डेंटिस्ट्री विभाग की मैक्सिलोफेशियल टीम के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रॉमा देखभाल, पुनर्निर्माण सर्जरी और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रगति में ओएमएफएस की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसकार्यक्रम में ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रो. (डॉ.) एम.डी. यूनुस, संकाय सदस्य, रेजिडेंट और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। एम्स भोपाल की मैक्सिलोफेशियल टीम, जिसमें डॉ. अंशुल राय (प्रोफेसर), डॉ. बाबू लाल सोनी (सहायक प्रोफेसर), वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. जितेंद्र सिन्हा, डॉ. अक्षय, डॉ. समृद्धि और डॉ. ज़ेनिस शामिल थे, ने सक्रिय रूप से इस आयोजन में भाग लिया। डॉ. बाबूलाल सोनी, सहायक प्राध्यापक और ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा में मैक्सिलोफेशियल यूनिट के प्रभारी, और डॉ. अंशुल राय ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने चेहरे के आघात, टीएमजे विकार, मुख कैंसर, क्रेनियोफेशियल सिंड्रोम, क्लेफ्ट सर्जरी और उन्नत सौंदर्य एवं पुनर्निर्माण प्रक्रियाओं के प्रबंधन में ओएमएफएस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मैक्सिलोफेशियल सर्जन जटिल चेहरे और जबड़े की स्थितियों के इलाज में विशेषज्ञ होते हैं और आपातकालीन और ट्रॉमा देखभाल में इनकी भूमिका अत्यंत आवश्यक होती है।

डॉ. सोनी ने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह और एचओडी टीईएम द्वारा दिए गए निरंतर समर्थन और प्रेरणा की भी सराहना की, जो शैक्षिक पहलों को प्रोत्साहित करते हैं और रेजिडेंट्स एवं नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए समर्पित हैं, जिससे अंततः रोगियों के परिणामों में सुधार होता है। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. सिंह ने कहा, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो चिकित्सा और दंत चिकित्सा के बीच सेतु का कार्य करता है और ट्रॉमा, जन्मजात स्थितियों और कैंसर उपचार के लिए जीवन-परिवर्तनकारी सर्जिकल हस्तक्षेप प्रदान करता है। हमारे मैक्सिलोफेशियल सर्जनों की प्रतिबद्धता और विशेषज्ञता हमारे रोगियों को उच्चतम स्तर की देखभाल सुनिश्चित करने में सहायक है। एम्स भोपाल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी को आगे बढ़ाने और भविष्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी ने जब्त किए फॉरेस्ट रेंजर के दो मकान

भोपाल (नप्र)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने वन विभाग के रेंजर हरिशंकर गुर्जर और उनकी पत्नी के नाम पर मिनाल रेसिडेंसी स्थित दो इंडिपेंडेंट घरों की जब्ती की कार्रवाई की है। गुर्जर, उनकी पत्नी और बेटे के विरुद्ध मनी लान्ड्रिंग एक्ट में कार्रवाई की गई है। दोनों मकानों की कीमत करोड़ों रुपए है। ईडी के अनुसार लोकायुक्त पुलिस भोपाल ने गुर्जर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 एवं आईपीसी 1860 के तहत कार्यवाही की थी। इस कार्यवाही के बाद हुई जांच के आधार पर ईडी ने जब्ती की है।ईडी द्वारा शुक्रवार को जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि वन विभाग के खंडवा जिले में पदस्थ रेंजर हरिशंकर और उनकी पत्नी के विरुद्ध लोकायुक्त की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की गई। ॉ

फ्रॉड होने की आशंका वाले 35 हजार कॉल बंद किए दूरसंचार विभाग ने

भोपाल। अनचाहे रोबो कॉल्स एवं प्रमोशन कॉल्स को रोकने के खिलाफ दूरसंचार विभाग ने 35000 कनेक्शंस पर सिकंजा कसा है। इन काल्स के जरिए फर्आड होने की आशंका थी। दूरसंचार विभाग मध्य प्रदेश के सुरक्षा निदेशक जय वाधवानी ने बताया कि विभाग को मिली शिकायत के बाद ट्राई और दूरसंचार विभागों के नियमों के उल्लंघन करने की शिकायत कंपनियों के खिलाफ पाई गई थी। इन कंपनियों के लगभग 35000 कनेक्शन से प्रमोशन कॉल्स एवं रोबो कॉल्स किये जा रहे थे, जिनमें इंदौर के लैंडलाइन नंबर के एसटीडी कोड 731 का इस्तेमाल किया जा रहा था ।जबकि दूरसंचार विभाग और ट्राई के नियमों के अनुसार इन कॉल्स के लिए 140 से कॉल शुरू होना चाहिए ।दो संचार विभाग के अधिकारी प्रवक्ता ने बताया कि गहराई से विश्लेषण करने पर पता लगा है कि सभी कॉल्स मार्केटिंग कंपनियों के सर्वर से हो रहे थे। यह सर्वर इंदौर के डाटा सेंटर में पाए गए ।यह सभी कॉल दूरसंचार विभाग एवं ट्राई के नियमों के विरुद्ध थे। इन कॉल्स की फॉड कॉल में बदलने की संभावना हमेशा बनी रहती है ।इन कॉल्स की गहराई से जांच करने के लिए सूचना विभाग भोपाल के निर्देशक सुरक्षा श्री वाधवानी एवं सहायक निदेशक डिजिटल इंटेलिजेंस राहुल जैन की विशेष टीम ने इंदौर स्थित इन कंपनी की जांच की। विभाग ने ड्यूटी में सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल्स के लिए विशेष रूप से 160 का नया नंबरिंग जारी किया है। उन्होंने यह उम्मीद जताई कि भविष्य में अनचाहे कॉल, चाहे वह प्रमोशनल हो या रोबोट हो उनमें कमी आएगी। उन्होंने कहा कि नियमों के विरुद्ध किये जा रहे ऐसे कॉल्स पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी ।उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि इस तरह के काल से बचने के लिए ट्राई और डीएनडी सुविधा का उपयोग करें और संभावित धोखाधड़ी से बचें ।साथ ही इस तरह के काल्स की शिकायत या रिपोर्ट विभाग के संचार साथी पोर्टल पर करें।

फर्जी अस्पतालों की आड़ में नर्सिंग महाघोटाला

एनएसयूआई ने सीबीआई को सौंपी फर्जी अस्पतालों की लिस्ट

भोपाल । मध्यप्रदेश में फर्जी अस्पतालों की आड़ में चल रहे नर्सिंग महाघोटाले को लेकर ह्स्ड्ड ने बड़ा खुलासा किया है एसएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय में शिकायत सौंपकर भोपाल सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी समेत प्रदेश के अन्य जिलों के सीएमएचओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

रवि परमार ने बताया कि प्रदेश में कई नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने के लिए फर्जी अस्पतालों को आधार बनाया गया, जिनमें न तो पर्याप्त मेडिकल सुविधाएं थीं और न ही योग्य डॉक्टर। इसके बावजूद इन्हें सीएमएचओ की सहमति से मान्यता दी गई, जिससे प्रदेशभर में सैकड़ों फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं।

फर्जी अस्पतालों की लिस्ट उजागर-रवि परमार ने अपनी शिकायत में अब तक बंद किए गए फर्जी अस्पतालों और उनके नर्सिंग कॉलेजों की सूची साझा की है।

पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से गुजरेगी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी से होकर गुजरेगी

भोपाल । यात्रियों की सुविधा हेतु प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ-2025 के अवसर पर अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये स्पेशल ट्रेनें पश्चिम मध्य रेल के स्टेशनों से भी गुजर रही है, जिसका विवरण इस प्रकार है-

1) चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन

07121 चर्लपल्ली-दानापुर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन सोमवार 17 फरवरी 2025 को चर्लपल्ली से दोपहर 15:10 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन रास्ते में इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना होते हुए एवं सायं 17:45 बजे प्रयागराज छिवकी और रात्रि 23:55 बजे दानापुर पहुंचेगी। (1 सेवाएं)

07122 दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन बुधवार 19 फरवरी 2025 को दानापुर से दोपहर 15:15 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन रात 20:25 बजे प्रयागराज छिवकी और अगले दिन रात्रि 23:45 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी। (1 सेवाएं)

ठहराव- काज़ीपेट जंक्शन, पेद्दपल्ली जंक्शन, रामागुंडम, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा।

संरचना- एक वातानुकूलित 2-टियर, एक वातानुकूलित 3-टियर, 20 शयनयान श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

2) उडुपि-टुंडला-उडुपि कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन

01192 उडुपि-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन सोमवार 17 फरवरी 2025 को उडुपि से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन रास्ते में इटारसी, पिपरिया, मदन महल, कटनी, सतना होते हुए एवं तीसरे दिन सुबह 06:25 बजे प्रयागराज छिवकी और दोपहर 13:10 बजे टुंडला पहुंचेगी। (1 सेवाएं)

01191 दानापुर-उडुपि कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन गुरुवार 20 फरवरी 2025 को टुंडला से सुबह 09:30 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन सायं 18:25 बजे प्रयागराज छिवकी और तीसरे दिन सायं 18:10 बजे उडुपि पहुंचेगी। (1 सेवाएं)।

मीडिया के समक्ष अपनी बात सकारात्मकता और तथ्यों के साथ रखें: पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी की अध्यक्षता, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, अभा कांग्रेस के प्रवक्ता अभय दुबे और प्रदेश कांग्रेस कम्युनिकेशन के इंचार्ज अभय तिवारी की विशेष उपस्थिति में आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित मीडिया विभाग की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के सभी प्रवक्तागण मौजूद थे।

श्री पटवारी ने बैठक में प्रवक्तागणों के साथ संगठनात्मक और मीडिया एवं सोशल मीडिया में सकारात्मकता और समन्वयता के साथ काम करने के निर्देश देते हुये 6 महीने की कार्ययोजना पर चर्चा की। श्री पटवारी ने कहा कि मीडिया के समक्ष कोई भी प्रवक्ता पार्टी फोरम से हटकर बात न करें, जो निर्देश पार्टी की ओर से दिये जाने उस पर विशेष ध्यान रखा जाये। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश ही नहीं देश की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और हर वर्ग पर अत्याचार चरम पर है। हमें सकारात्मक और तथ्यों के साथ आक्रमक होकर भाजपा के समक्ष अपना पक्ष रखना है। मप्र में भ्रष्टाचार चरम पर हैं और भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार को बेनकाव करने के लिए पूरे तथ्यों के साथ मीडिया के समक्ष अपनी बात रखें।

श्री पटवारी ने बैठक में कहा कि भाजपा ने प्रदेश की जनता से जो वादे अपने संकल्प पत्र में किये थे, उन वादों से वह मुकर गई हैं और जनता को गुमराह कर माफियाओं को संरक्षित कर रही हैं। प्रदेश में अपराध और अपराधी बढ़ रहे हैं, कानून-व्यवस्था पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस पार्टी का प्रवक्ता मीडिया के समक्ष इन मुद्दों पर पूरी तैयारी के साथ डिबेट में बैठे और भाजपा के भ्रमित करने वाले मुद्दों को धराशायी करते हुये अपनी बात पूरे आक्रमक तरीके से रखे।

4 गार्ड्स की हत्या करने वाले सीरियल किलर को उम्रकैद

भोपाल (नप्र)। सागर और भोपाल में 6 दिनों के भीतर चार गार्डों की हत्या करने वाले सीरियल किलर को प्रधान सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह फैसला शुक्रवार को सुनाया गया। इस मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुधाविजय सिंह भदौरिया ने पैरवी की।पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने पुणे में भी एक गार्ड पर जानलेवा हमले की बात कही थी। आरोपी ने बताया था कि, वह फिल्म चक्रस्त्र-2 के किरदार रॉकी भाई से प्रभावित है और सिक्योरिटी गार्ड्स को मारने के मिशन पर है। वह ऐसे सिक्योरिटी गार्ड्स को टारगेट करता था, जो ड्यूटी पर सोते थे।आरोपी का नाम शिव गोंड है। वह 8वीं तक पढ़ा-लिखा है और गोवा में नौकरी कर चुका है। आरोपी अंग्रेजी भी बोल लेता है। उसने बताया कि, वह KGF-2 फिल्म के रॉकी भाई की तरह गैंगस्टर बनना चाहता था और इसके लिए रुपए जमा कर रहा था। आगे उसकी योजना पुलिस वालों को निशाना बनाने की थी। ऐसा करके वह फेमस होना चाहता था।

करप्शन मामले में दुनिया में मप्र सबसे करप्ट राज्य: जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुये कहा कि मप्र करप्शन का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि आप गूगल में सर्च करेंगे कि सबसे करप्ट राज्य कौने सा हैं तो मप्र सबसे करप्ट राज्य में सामने आयेगा। मप्र का चेहरा भाजपा ने कलंकित किया है। चाहे व्यापमं को लेकर हो, नर्सिंग हो, सौरभ शर्मा मामला, भर्ती मामला हो, चाहे कर्ज से लेकर आर्थिक राशि की राजनैतिक लूट का मामला हो या चारित्रिक रूप से भाजपा का अमर्यादित चेहरा बना हुआ है, वह मप्र को शर्मसार करता है। करप्शन की नयी-नयी विधायें भाजपा ने निकाली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने जो मेंडेड दिया जो जीता वह सिकन्दर, एक साल से हम मप्र में सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं।

श्री पटवारी ने कहा कि विपक्ष का मानना है कि मोहन यादव सरकार को सकारात्मक सहयोग करें, लेकिन प्रदेश में जो भाजपा सरकार चल रही है, उसका काम करने का तरीका पूरा उलट है। उन्होंने कहा कि करप्शन के सामने लड़ाई लड़ना है तो 300 से अधिक अधिकारी ऐसे हैं जिन पर लोकायुक्त में मामला दर्ज हैं, भाजपा उन पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं करती। जो विपक्ष की भूमिका

निभाकर सरकार की कार्यप्रणाली में खामियां बताते हैं और अपेक्षा करते हैं कि यह दूर होगी तो सरकार अच्छे से चलेगी। कांग्रेस पार्टी विपक्ष के नेता हेमंत कटारे पर जिस तरीके से एफआईआर की गई, 21 साल पुराना मामला बताकर भाजपा मामाल सामने लेकर आयी, जो पूरी तरह से झूठ और फरेब हैं। हेमंत कटारे जी माता जी और उनकी पत्नी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गई है जो भाजपा का चेहरा बेनकाव कराता है। भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा नफरत का है, भ्रष्टाचार का है, बदले की भावना का है।

श्री पटवारी ने कहा कि मोहन यादव जी मेरा सवाल है कि हेमंत कटारे पर जो झूठा केस लगाया गया है, क्या इस तरह का एक ही मामला था? जिन अधिकारियों की संलिप्ता है, उनपर कार्यवाही क्यों नहीं हुई? राजनैतिक द्वेष से भाजपा काम कर रही है। मोहन यादव जी यह मामला ईओडब्लू का हैं, मैं चुनौती देता हूं मोहन यादव जी को कि आपके मष्तिक में जो बदले की भावना, द्वेष का कीड़ा हैं उसे निकाले अन्यथा कांग्रेस परिवार के सारे राजनैतिक नेता एक साथ खड़ें हैं और आपकी सरकार के खिलाफ जन आंदोलन करेंगे। इस दौरान मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, मप्र विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे भी उपस्थित थे।

॥ मंदिरम् ॥ 38

माँ बिराजा जाजपुर शक्तिपीठ, ओडिशा

माँ बिराजा जाजपुर शक्तिपीठ भारत के ओडिशा के जाजपुर में, भुवनेश्वर से लगभग 125 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। बिराजा या विराजा मंदिर एक महत्वपूर्ण महाशक्तिपीठ है। यहां दुर्गादेवी को गिरिजा (विराजा) और भगवान शिव को जगन्नाथ के रूप में पूजा जाता है। सती की नाभि यहीं गिरी थी। अपनी अष्टादश शक्तिपीठ स्तुति में, आदिशंकराचार्य ने देवता को गिरिजा के रूप में संदर्भित किया है। इस मंदिर में मां बिराजा देवी को त्रिशक्ति महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में पूजा जाता है। माँ बिरजा मंदिर एक विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें शिव और अन्य देवताओं के कई मंदिर हैं। इसे स्कंद पुराण में विराजा या बिरजा क्षेत्र के नाम से जाना जाता है और यह तीर्थयात्रियों को पवित्र करता है। कहा जाता है किजाजपुर में लगभग एक करोड़ शिव लिंग हैं।

सिख गुरू हरगोविन्द सिंह की स्मृति में किया नामकरण

ग्वालियर-मुरैना मार्ग स्थित नगर द्वारा का नाम 'दाता बंदी छोड़' द्वार होगा : सीएम

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में सिख समुदाय का रहा है गौरवशाली इतिहास

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर के मुरैना मार्ग स्थित 'नगर द्वार' का नाम सिखों के छठवें गुरु, गुरु हरगोविंद सिंह जी के नाम पर 'दाता बंदी छोड़ द्वार' रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में सिख समुदाय का गौरवशाली इतिहास रहा है, बड़ी संख्या में सिख परिवार इस क्षेत्र में निवासरत हैं। अत: ग्वालियर के मुरैना मार्ग पर पुराना छावनी क्षेत्र में बने 'नगर द्वार' का नाम 'दाता बंदी छोड़ द्वार' रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिखों के छठवें गुरु हरगोविंद सिंह जी को ग्वालियर के किले में मुगल बादशाह जहांगीर ने कई वर्षों तक बंदी बनाए रखा, अन्य 52 हिंदू राजा भी उनके साथ कैद में थे। मुगल बादशाह ने गुरू जी की आध्यात्मिक शक्ति-साधना से घबराकर उनको रिहा करने का निर्णय लिया। हरगोविंद सिंह जी ने अकेले रिहाई से मना कर दिया और 52 हिंदू राजाओं के साथ ही बाहर आने का संकल्प व्यक्त किया। मुगल बादशाह ने मजबूर होकर 52 हिंदू राजाओं को गुरु हरगोविंद सिंह जी के साथ रिहा किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि, इस परिप्रेक्ष्य में ग्वालियर में मुरैना मार्ग पर पुरानी छावनी में नव-निर्मित 'नगर द्वार' का नाम गुरू हरगोविंद साहब के नाम पर 'दाता बंदी छोड़ द्वार' रखा जाना अत्यंत उपयुक्त तथा प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस गौरवशाली इतिहास को याद करने के लिए स्मार्ट सिटी और नगर निगम ग्वालियर को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस पहल से एक बार फिर देश-दुनिया इस महत्वपूर्ण पक्ष से परिचित होगी।

पेट्रोल पर सबसे ज्यादा वैट टैक्स वसूलने वाले राज्यों में म.प्र. भी

आंध्र, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक में सबसे ज्यादा टैक्स

भोपाल (नप्र)। पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण जहां आम लोग परेशान हैं। वहीं विपक्ष सरकार पर मंहगाई को रोकने में नाकाम साबित होने के आरोप लगाता है। पेट्रोल, डीजल पर टैक्स लगाने के मामले में मध्य प्रदेश देश में पांचवां राज्य है। दक्षिण भारत के चार राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक के बाद मप्र में सबसे ज्यादा टैक्स लगाए जा रहे हैं। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी सामने आई है।

एमपी में वैट के ऊपर वैट फिर एक फीसदी उपकर

पेट्रोल डीजल पर टैक्स के ऊपर टैक्स लगाया जा रहा है। मप्र में पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, 2.5 प्रतिशत रुपए प्रति लीटर वैट के साथ 1 प्रतिशत उपकर लिया जाता है। डीजल पर 19प्रतिशत वैट, 1.5 रुपए प्रति लीटर वैट के साथ 1 प्रतिशत उपकर लिया जा रहा है।

सबसे कम टैक्स अंडमान निकोबार में

पेट्रोल और डीजल पर सबसे कम एक-एक फीसदी टैक्स अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर लिया जाता है। लक्षद्वीप में पेट्रोल और डीजल पर 10-10 प्रतिशत वैट वसूला जाता है। दादरा और नगर हवेली एवं दमन एवं द्वीव में पेट्रोल पर 12.75 प्रतिशत वैट और डीजल पर 13.50 प्रतिशत वैट लिया जाता है। मेघालय में पेट्रोल पर 13.50 प्रतिशत या 13.50 रुपए प्रति लीटर जो भी ज्यादा हो इसके साथ 10 पैसे प्रति लीटर प्रदूषण अधिभार लिया जाता है। वहीं डीजल पर 5प्रतिशत या 9.50 प्रतिशत रुपए प्रति लीटर जो भी अधिक हो उसके अलावा 10 पैसे प्रति लीटर प्रदूषण अधिभार लिया जाता है। गुजरात में पेट्रोल पर 13.7 प्रतिशत वैट के साथ टाउन रेट पर 4 फीसदी उपकर वसूला जाता है। 14.9 प्रतिशत वैट के साथ टाउन रेट पर 4 फीसदी उपकर लिया जाता है।

51वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 से

वृहद नृत्य मैराथन रिले से बनेगा विश्व रिकॉर्ड 125 कलाकार 24 घंटे करेंगे शास्त्रीय नृत्य

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के खजुराहो में 20 से 26 फरवरी तक 51वां खजुराहो नृत्य समारोह आयोजित होगा। यह समारोह खजुराहो के प्राचीन मंदिरों के बीच आयोजित किया जाएगा और भारतीय शास्त्रीय नृत्य, संगीत और कला के प्रेमियों के लिए एक अद्वितीय अनुभव होगा। इस साल समारोह में एक नई पहल के तहत 125 नृत्य कलाकार 24 घंटे तक लगातार शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत करेंगे, जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल होने की कोशिश करेंगे। यह विशेष गतिविधि 19-20 फरवरी को आदिवर्त संग्रहालय में होगी।

नए पहलू और गतिविधियां

संस्कृति मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि इस वर्ष समारोह में कई नए पहलू जोड़े गए हैं। कथक, भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी, ओडिसी जैसे प्रमुख शास्त्रीय नृत्य के अलावा एक बड़ी शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले) होगी, जिसे गिनीज रिकॉर्ड में दर्ज करने की कोशिश की जाएगी।

पर्यटन गतिविधियां

समारोह के दौरान स्काई डाइविंग, हॉट एयर बैलून, कैंपिंग, विलेज टूर और वाटर स्पोर्ट्स जैसी रोमांचक गतिविधियां भी होंगी। इसके अलावा, एक प्रदर्शनी 'नाद' में 600 से ज्यादा भारतीय संगीत वाद्ययंत्र प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रतिष्ठित कलाकारों की प्रस्तुतियां

समारोह में राधा-राजा रेड्डी, दर्शना झवेरी, और सुश्री मीनाक्षी शेषाद्रि जैसे प्रसिद्ध कलाकार अपनी नृत्य प्रस्तुतियां देंगे।

शुभारंभ और नृत्य निर्देशन

समारोह का शुभारंभ 19 फरवरी को दोपहर 2 बजे होगा, जो 20 फरवरी को शाम 5 बजे तक चलेगा। इसका नृत्य निर्देशन और संयोजन प्राची शाह और संगीत निर्देशन कौशिक बसु करेंगे। 25 ग्रुप होंगे, जिनमें लगभग 125 कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

हाईकोर्ट ने दी अतिथि शिक्षकों को बड़ी राहत

शिक्षक भर्ती परीक्षा में अनुभव प्रमाण पत्र बाद में जमा कर सकेंगे, हजारों अभ्यर्थियों को मिलेगा लाभ

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने हजारों अतिथि शिक्षकों को आवेदन के समय अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता से राहत दी है। अब ऐसे अतिथि शिक्षक भी परीक्षा फार्म भर सकेंगे, जिनके तीन शैक्षणिक सत्र में 200 दिन का शिक्षण अनुभव पूरा नहीं हुआ है। उन्हें दस्तावेज सत्यापन के समय अनुभव प्रमाण पत्र जमा करना होगा।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने इस बार की भर्ती में नया नियम लागू किया था, जिसमें आवेदन के समय ही अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य कर दिया। जबकि पिछली भर्तियों में ये दस्तावेज काउंसलिंग के समय मांगा जाता था। सिवनी के सुनीता कटरे, कृष्णकांत शर्मा और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता धीरज तिवारी और ईशान सोनी ने कोर्ट में दलील दी कि परीक्षा रूल बुक की धारा 12(6) के अनुसार योग्यता से जुड़े दस्तावेज काउंसलिंग के समय जमा किए जा सकते हैं।

तिवारी ने बताया कि 2023 की भर्ती में 31 मार्च 2024 तक प्रमाण पत्र जमा करने की छूट थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि नया नियम संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन करता है। भर्ती अधिसूचना में भी ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं था कि अनुभव प्रमाण पत्र केवल आवेदन के समय ही

स्वीकार किया जाएगा।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में निर्णय सुनाते हुए भर्ती प्रक्रिया को याचिका के अधीन कर दिया। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अतिथि शिक्षकों को बिना अनुभव प्रमाण पत्र 'यश' विकल्प चुनकर आवेदन करने की अनुमति होगी।

इन्हें मिलेगा फैसले का लाभ

200 दिन और तीन सत्रों की न्यूनतम अनुभव शर्त को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में पूरा करने वाले अतिथि शिक्षकों को इस फैसले का लाभ मिलेगा। उनका प्रमाण पत्र दस्तावेज सत्यापन के समय ही उपलब्ध होगा। इस नई अनिवार्यता के कारण आवेदन नहीं कर पाने वाले अतिथि शिक्षक अब बिना प्रमाण पत्र अपलोड किए आवेदन कर सकेंगे।

अब क्या होगा आगे?

हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल को शिक्षक चयन परीक्षा के आवेदन करने की प्रक्रिया में बदलाव करना होगा। ताकि अतिथि शिक्षक अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड किए बगैर 'यश' विकल्प चुनकर आवेदन कर सकें।

भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी

न्यायालय ने भर्ती को याचिका के अधीन किया है, जिसका मतलब है कि भर्ती प्रक्रिया न्यायालय के फैसले के अनुसार आगे बढ़ेगी।

सरकारी कर्मचारियों का प्रदेशव्यापी आंदोलन

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में शासकीय अधिकारी-कर्मचारी निगम-मंडल एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने बुधवार को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया। मोर्चा ने अपनी 52 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के 47 जिलों में ज्ञापन सौंपा। राजधानी भोपाल में संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को ज्ञापन दिया। प्रदर्शन में मोर्चा के प्रदेश संयोजक प्रमुख तिवारी, प्रदेश संरक्षक अशोक शर्मा और मुनेंद्र परिहार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष उदित भदौरिया, कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अरुण द्विवेदी और प्रदेश महामंत्री सुनील पाराशर समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी जिलों में कर्मचारी संगठनों ने उत्साह के साथ प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और शासन-प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा।

शिवराज के छोटे बेटे कुणाल की शादी में उप राष्ट्रपति धनखड़, सीएम योगी, केंद्रीय मंत्री गडकरी पहुंचे

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान आज विवाह बंधन में बंधे। उनके शादी समारोह में शामिल होने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेता भोपाल पहुंचे थे। कुणाल सिंह की शादी जैन परिवार की बेटी रिद्धि के साथ हो रही है। भोपाल के नीलबड़ इलाके में वाना ग्रीन होटल में रिसेप्शन कार्यक्रम हुआ। कुणाल के रिसेप्शन में सीएम डॉ. मोहन यादव, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, पूर्व सीएम कमलनाथ और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह समेत मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों, सभी विधायकों, सांसदों, केन्द्रीय मंत्रियों और सभी दलों के नेता भी शामिल होंगे। - फोटो प्रवीण वाजपेई

अन्नू कपूर बोले- भोपाल मेरी जन्मभूमि इससे अलग नाता

रणवीर अलाहबादिया के कमेंट पर कहा- भांड-मिरासी की तरह बोलेगो तो डंडे पड़ेंगे

भोपाल(नप्र)। समय रैना के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में रणवीर अलाहबादिया के अश्लील कमेंट्स को लेकर मशहूर अभिनेता अन्नू कपूर की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा, तुम जिस विषय पर बोलो, तो गंभीरता से बोलो। जब तुम गंभीरता से बोलोगे, तो जनता भी गंभीरता से सुनेगी। तुम भांड-मिरासी की तरह बोल रहे हो। हो सकता है कुछ लौंडे-लपाड़े तुम्हारी तरफ हो जाएं, मगर डंडे भी पड़ रहे हैं। ऐसा काम मत करो। शासन की भी जिम्मेदारी है, उन पर प्रेशर आ रहा है, उनकी भी जिम्मेदारियां हैं। लोगों ने शासन से कहा होगा कि हमारी माता-बहनें हैं, इसलिए ऐसा काम मत करो।बता दें कि फिल्म अभिनेता अन्नू कपूर

और कुमार भोपाल में अंताक्षरी की मेजबानी करने के लिए पहुंचे हैं। यह आयोजन भोपाल के रवींद्र भवन में हुआ। इस बीच मीडिया ने अन्नू कुमार से बातचीत की। उन्होंने अंताक्षरी, प्रेम और स्वाद समेत कई विषयों पर बात की। उन्होंने अपनी जन्मभूमि भोपाल को लेकर का कहा कि इससे अलग ही नाता हैं।

जन्मभूमि माता-पिता के समान, हमेशा एक ही रहेगी-अन्नू कपूर ने अपनी जन्मभूमि भोपाल के बारे में कहा, जन्मभूमि एक ही रहती है, लेकिन कर्मभूमि बदल सकती है। जैसे जन्म देने वाले माता-पिता कभी नहीं बदलते, वैसे ही जन्मभूमि भी नहीं बदलती। इससे एक अलग सा नाता जुड़ जाता है। जिस जगह पैदा हुए, उस जगह के लिए यही कह सकते हैं - 'निकले ये दम तुझ पे दिल कुर्बान'। उन्होंने भोपाल के अंताक्षरी कार्यक्रम को लेकर बताया कि, अंताक्षरी बरसों पुराने खेल से जुड़ा हुआ है। हमारे शास्त्रों में जिन 64 कलाओं का जिक्र है, उनमें से एक कला अंताक्षरी भी है। अब तक करीब 500 से ज्यादा लोग ऑडिशन दे चुके हैं। विजेता को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रेम के बिना आपका अस्तित्व संभव नहीं-अन्नू कपूर ने प्रेम के महत्व पर जोर देते हुए कहा, प्रेम के बिना आपका अस्तित्व संभव नहीं है। यह आपके अस्तित्व का केंद्र बिंदु है। प्रेम हमारे जन्म से जुड़ा होता है। सबसे पहले प्रेम की शुरुआत मां से होती है, फिर बहन से और तब बाकी लोगों से। शादी से पहले प्रेम करना जरूरी है। जीवन में अगर शादी करियर में बाधा डाले, तो शादी मत करना। प्रेम में मरना भी हमें है और तरना भी हमें है।

हर जगह का अपना एक स्वाद-उन्होंने कहा, हर जगह का अपना स्वाद है। भोपाल की पसंद सिर्फ भोपाल की ही है। इंदौर का पोहा वहीं का है, उसका स्वाद आपको कहीं और नहीं मिलेगा। इसी तरह महाराष्ट्र के आलू बोंडा और पूरन पोली का स्वाद सिर्फ महाराष्ट्र में मिलेगा, कहीं और नहीं। वैसे ही शाकाहारी खाना हिंदू के घर का और मांसाहारी मुसलमान के घर का ही स्वाद देता है।

रस्सी का फंदा बना दिव्यांग युवक ने लगाई फांसी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाले युवक ने गुरुवार देर रात घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। 3 महीने पहले ट्रेन की चपेट में आने से उसके एक हाथ का पंजा और दूसरे हाथ की उंगलियां कट चुकी थीं। एक साल पहले बीमारी के चलते उसकी पत्नी की मौत हो गई। मृतक के दो मासूम बच्चे हैं, मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जीतू सूर्यवंशी पुत्र राम सिंह सूर्यवंशी (34) बंजारी कोलार में रहता था। भाई ने बताया कि तीन महीने पहले जीतू ट्रेन की चपेट में आ गया था। इस हादसे में उसके एक हाथ का करीब आधे से ज्यादा पंजा तथा दूसरे हाथ की उंगलियां कट गई थीं। हादसे के बाद से ही वह बेरोजगार हो चुका था।

म.प्र.कैडर के 18 आईएएस अफसरों को करनी होगी ट्रेनिंग

भोपाल (नप्र)। एमपी कैडर के 18 अधिकारियों को केंद्र सरकार ने मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के इन अधिकारियों में से सात अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं, जबकि बाकी एमपी में ही पदस्थ हैं।

मिड करियर ट्रेनिंग का यह प्रोग्राम 7 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चलेगा। मिड करियर ट्रेनिंग पूरी करना अनिवार्य किया गया है क्योंकि यह आईएएस अफसरों को जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड, सुपर टाइम स्केल और 28 साल की सेवा के बाद मिलने वाली वेतन वृद्धि के लिए मेंडेटरी है।

डीओपीटी (केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय) के सचिव पी.के. मिश्रा ने इस संबंध में एमपी के चीफ सेक्रेटरी समेत अन्य राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि जनवरी 2007 से शुरू हुए मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम की अनिवार्यता के बावजूद कई राज्यों में इसका पालन नहीं हो रहा है।

इसके लिए हर अधिकारी को तीन अवसर दिए जाते हैं। कैडर कंट्रोल अथॉरिटी द्वारा बिना ट्रेनिंग के ही कई अधिकारियों को वेतन में वृद्धि का लाभ दिया गया है, जो आईएएस सर्विस पे रूल्स 2007 के अनुसार सही नहीं है।

केंद्र में पदस्थ 11 और एमपी में काम कर रहे सात अफसरों को मिड करियर ट्रेनिंग जरूरी

जाइंट सेक्रेटरी छवि भारद्वाज ने जारी की सूची: एमपी कैडर की अधिकारी और केंद्र में जाइंट सेक्रेटरी छवि भारद्वाज ने इस ट्रेनिंग को लेकर लिखे पत्र में कहा है कि मिड करियर ट्रेनिंग के फेज-पांच का 16वां दौर 7 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक होगा। इसके लिए 1998 बैच के अफसरों को पहला अवसर, 1997 बैच के अफसरों को दूसरा अवसर और 1993, 1994, 1995, 1996 बैच के अफसरों को तीसरा और अंतिम अवसर मिलेगा।

भारद्वाज के अनुसार, जिन अधिकारियों के पास रिटायरमेंट में तीन महीने से कम का समय है, उन्हें ट्रेनिंग में शामिल नहीं किया जाएगा। इस ट्रेनिंग में दिसंबर 2028 से पहले रिटायर होने वाले अफसरों को शामिल नहीं किया जा रहा है।

जिन अफसरों के नाम सिलेक्ट हुए हैं, उनके नॉमिनेशन की प्रक्रिया 15 मार्च तक पूरी करने के लिए कहा गया है। इसके बाद, 25 मार्च तक संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट देनी होगी कि वह ट्रेनिंग के लिए 6 अप्रैल तक मसूरी पहुंच जाएगा। देश भर के कुल 245 आईएएस अफसर इस ट्रेनिंग शेड्यूल में शामिल किए गए हैं।

ट्रेनिंग के लिए एमपी के इन अधिकारियों को बुलाया

- मनोज गोविल (1991)
- पंकज अग्रवाल (1992)
- दीप्ति गौड़ मुखर्जी (1993)
- रश्मि अरुण शमी (1994)
- विवेक अग्रवाल (1994)
- पल्लवी जैन गोविल (1994)
- संजय कुमार शुक्ला (1994)
- हरिरंजन राव (1994)
- मनीष रस्तोगी (1994)
- अमित राठौर (1996)
- फैज अहमद किदवई (1996)
- नीतेश कुमार व्यास (1996)
- संजीव कुमार झा (1996)
- मनीष सिंह (1997)
- सुखवीर सिंह (1997)
- आकाश त्रिपाठी (1998)
- मुकेश चंद्र गुप्ता (1998)
- निकुंज श्रीवास्तव (1998)